RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 34 डिग्री
न्यूनतम तापमान 28 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 33 डिग्री
न्यूनतम तापमान 27 डिग्री

गुरुवार 26 जून 2025
सूर्योदय प्रातः 05:25 बजे
सूर्यास्त सायं 19:23 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 2021 की जनगणना की अधिसूचना जारी

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 251 | गाजियाबाद, गुरुवार 26 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में भरी सफल उड़ान, राष्ट्रपति मुर्मू-पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के एक्सिओम-4 मिशन के सफलतापूर्वक उड़ान भरने पर बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकर अर्जुन खड़गे ने बधाई दी। राष्ट्रपति ने इस मिशन को लेकर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने भारत के लिए अंतरिक्ष में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। उनके अमेरिका, पोलैंड और हंगरी के साथी अंतरिक्ष यात्री साबित करते हैं कि दुनिया वास्तव में एक परिवार है। वहीं, पीएम मोदी ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनने की राह पर हैं। वह अपने साथ 1.4 बिलियन भारतीयों की इच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर चले हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने भारत के लिए अंतरिक्ष में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है, पूरा देश सितारों की एक भारतीय की यात्रा पर उत्साहित और गर्वित है।

अमिताभ की आवाज वाली टोन बंद, इन्दौर से उठी मांग पर कारवाई

✷ वेबवार्ता. इदौर ✷। विगत कई दिनों से मोबाइल पर डायल करने के बाद दिये जा रहे अमिताभ बच्चन की आवाज में साइबर क्राइम से बचने के संदेश से परेशान उपभोक्ताओं ने इसके हटाएं जाने की मांग पुरजोर तरीके से उठाई थी। टेलीफोन सलाहकार समिति के सदस्य, कई संगठन और जागरूक नागरिक इसके लिए ट्राई को अपनी आपत्तियां दर्ज करा रहे थे वहीं सोशल साइट्स पर भी इसके मीम शेयर पोस्ट होने के साथ इसे ट्रोल किया जा रहा था। इसके बंद किए जाने को लेकर विगत दिनों संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को उनके इन्दौर प्रवास के दौरान एक ज्ञापन भी सौंपा गया था तब सिंधिया ने भी इस टोन से परेशानी की बात मीडिया से कहीं थी।

आयोग ने तीन कैदियों की मौत पर उत्तर प्रदेश सरकार से मांगी रिपोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने उत्तर प्रदेश में वाराणसी की जेलों में दो दिन में तीन कैदियों की कथित मौत की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए राज्य के जेल महानिदेशक और वाराणसी के पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में विशृत रिपोर्ट देने को कहा है। आयोग ने बुधवार को बताया कि उसने मीडिया में आयी रिपोर्टों का संज्ञान लेते हुए यह नोटिस जारी किया है। अधिकारियों से रिपोर्ट में तीनों मृत कैदियों की प्रारंभिक स्वास्थ्य रिपोर्ट के साथ कानूनी जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा मजिस्ट्रेट जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि कथित तौर पर जिला जेल में बंद एक पुरुष डॉक्टर और एक महिला कैदी की बीमार होने से मृत्यु हो गई जबकि वाराणसी के केंद्रीय कारागार में बंद एक अन्य बंदी की दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई। आयोग ने कहा है कि यदि मीडिया में आयी रिपोर्ट सही है तो यह मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला है।

आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र को मंजूरी

✷ एनसीआर टुडे. आगरा ✷। केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी)के क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना को स्वीकृति दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रश्ताव का अनुमोदन किया गया। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि आगरा के सिंगना में सीआईपी के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (सीएसएआरसी) की स्थापना के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के प्रश्ताव को मंजूरी दे दी गयी है।

जमानत के बावजूद 28 दिनों तक अवैध हिरासत के मामले में अदालत ने दिया आदेश

उत्तर प्रदेश सरकार 5 लाख मुआवजा दे: सुप्रीम कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देश की सर्वोच्च अदालत ने उत्तर प्रदेश द्वारा एक व्यक्ति को 28 दिनों मे अवैघ रूप से हिरासत में रखने के मामले में 5 लाख रुपए का मुआवजा देने के आदेश दिए है।

कोर्ट ने कहा कि 28 दिनों तक व्यक्ति को जेल में रखने से उसके स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन हुआ है।

न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ बुधवार को बंदी प्रत्यक्षीकरण मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें यह बात सामने आई थी कि गाजियाबाद जेल प्रशासन 29 अप्रैल को पारित शीर्ष अदालत के आदेश और 27 मई के औपचारिक रिहाई आदेश के बावजूद आरोपी को रिहा करने में पूरी तरह से विफल रहा है।

पीठ ने कहा, "भगवान जानता है कि ऐसे कितने लोग जेलों में सड़ रहे हैं।"न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने तकनीकी बातों पर जोर देने वाले जेल अधिकारियों के आचरण की निंदा की। उन्होंने गाजियाबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को इसकी जांच करने और व्यक्ति की रिहाई में 28 दिनों की देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का आदेश दिया।

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 366 और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धारा तीन और पांच (आई) के तहत गिरफ्तार किया गया वह व्यक्ति 24 जून तक हिरासत में रहा। अधिकारियों ने सफाई दी कि जमानत आदेश में एक उप-धारा की चूक के कारण व्यक्ति की रिहाई नही हो पायी थी।

न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, "स्वतंत्रता एक व्यक्ति को दी गई एक बहुत ही मूल्यवान और अनमोल अधिकार है। इसे इन बेकार की तकनीकी बातों पर समझौता नहीं किया जा सकता। जब इस अदालत ने एक वैध आदेश पारित करके स्वतंत्रता दी है, तो उसे कैसे छीना जा सकता है?" जेल अधिकारियों और राज्य प्रशासन पर तीखी टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा, "क्या किसी उपधारा को छोड़ देना किसी को हिरासत में रखने का वैध आधार है। अगर हम स्पष्ट न्यायिक आदेशों के बावजूद लोगों को सलाखों के पीछे रखते हैं तो हम आज जन को क्या संदेश दे रहे हैं।" उत्तर प्रदेश की अतिरिक्त महाधिवक्ता गरिमा प्रसाद और उत्तर प्रदेश के महानिदेशक कारागार पीसी मीना वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालती कार्यवाही में शामिल हुए। गाजियाबाद जेल अधीक्षक पीठ के समक्ष उपस्थित थे।

न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा, "आपने उसे कल हमारे हश्तक्षेप के बाद ही रिहा किया। इससे पता चलता है कि आपको किसी और आदेश को मानने की जरुरत नहीं थी। यह तकनीकी की गलती को आधार बनाकर स्वतंत्रता के अधिकार से इनकार करने का एकमात्र बहाना था।

कौन-सा प्रावधान कहता है कि यदि कोई उप-धारा छूट गयी है तो जमानत आदेश के बावजूद किसी व्यक्ति को जेल में जरूरी रखना चाहिए।"

रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास फैक्टरी में लगी आग, तीन लोगों की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय राजधानी के रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास स्थित पॉलीथीन फैक्ट्ररी में

मंगलवार शाम भीषण आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गयी और अन्य तीन गंभीर रूप से घायल हो गये हैं।

अग्निशमन विभाग को इस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर दमकल विभाग की 15 गाड़ियां और पुलिस की टीम पहुंची। दमकल विभाग के अधिकारी अशोक कुमार जायसवाल ने कहा, "हमें कल शाम साढ़े सात बजे आग लगने की सूचना मिली, लेकिन जब हम पहुंचे तो पता चला कि आग वास्तव में करीब एक घंटे पहले लगी थी। तब तक पूरी फैक्टरी जलकर खाक हो गई।"

दमकल अधिकारियों ने बताया कि घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन दूसरी और तीसरी मंजिल पर जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आग पर काबू पाने के बाद भी बिल्डिंग के अंदर से सुबह तक धुआं निकलता रहा। साथ ही हादसे मे तीन लोगों की मौत होने और अन्य तीन लोग घायल हुए हैं। श्री जायसवाल ने कहा कि आग पर काबू पाने के लिए पहले जेसीबी मशीन की मदद से बिल्डिंग की एक दीवार को तोड़ा गया, जिससे उसके अंदर लगी आग को बुझाने की कोशिश की गई।

ऐतिहासिक एक्सिओम-4 मिशन आईआईएस रवाना

✷ वेबवार्ता. चेन्नई ✷

अरबों लोगों की उम्मीदों और सपनों वाला एक्सिओम मिशन-4 भारतीय यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और चालक दल के तीन अन्य सदस्यों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए दिन में 12 बजकर एक मिनट पर कैनेडी स्पेस सेंटर से रवाना हुआ। यह मिशन 14 दिन की अवधि का है1

यह मिशन 28 घंटों की यात्रा के बाद कल सुबह सात बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उतरेगा। मिशन में भारत, हंगरी,अमेरिका और पौलेंड के यात्री शामिल हैं।

इस मिशन के पायलट शुभांशु शुक्ला हैं और मिशन का नेतृत्व कमांडर पैगी व्हिटसन कर रही हैं। हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कपू तथा पौलेंड के स्लावोज उज्नान्सकी-विस्नीवस्की मिशन विशेषज्ञ हैं।

नासा के सहयोग से यह ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित मिशन भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया मील का पत्थर साबित होगा जो नए क्षितिज की खोज के लिए मार्ग प्रशश्त करेगा क्योंकि यह भारत के तीन बेहद सफल चंद्र मिशनों और स्पैडेक्स प्रायोगिक डॉकिंग मिशन की पृष्ठभूमि में आता है। इसने अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत को अंतरिक्ष में डॉकिंग और अनडॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनने में सक्षम बनाया।

'एक्सिओम' मिशन भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान मिशन, गगनयान के लिए महत्वपूर्ण होगा, जिसे मानव रहित मिशनों के परीक्षण के बाद एक या दो साल बाद निर्धारित किया गया है। भारत ने वर्ष 2040 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

इस मिशन की पहली उड़ान 29 मई को उड़ान निर्धारित थी लेकिन प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों, एलओएक्स लीक और आईएसएस में मरम्मत कार्यों सहित विभिन्न कारणों से छह बार इसका प्रक्षेपण टला लेकिन आज इसने आखिरकार लॉन्च पैड से शानदार तरीके से उड़ान भरी।

पद की गरिमा घटाने वाले मोदी करते हैं आपातकाल की बात: कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री पद की गरिमा घटाई है और देश के संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं और अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संविधान बचाओ अभियान की लोकप्रियता से घबराकर आपातकाल की बात कर अपनी सरकार की विफलता को छिपाने का प्रयास कर रहे हैं।

श्री खरगे ने बुधवार को यहां पार्टी के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी देश में संघवाद की बात कर सभी राज्यों के साथ समानता की बात करते हैं, लेकिन सच यह है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और गैर-भाजपा शासित राज्यों के प्रति उनका नजरिया भिन्न-भिन्न होता है। श्री मोदी और उनकी सरकार संविधान और लोकतंत्र की सुरक्षा करने में असफल रही है और विपक्ष के साथ जबरदश्त भेदभाव कर देश को बर्बाद करने का काम कर रही है। उनका कहना था कि जब पूरा देश पहलगाम हमले के बाद एकजुट था और कांग्रेस सहित सारे विपक्ष ने सरकार के हर फैसले में उसका साथ दिया तो जवाब में मोदी सरकार जनता और लोकतंत्र के हितों को महत्व देने की बजाय आपातकाल की बात कर विपक्ष के खिलाफ साजिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी कह रहे हैं कि आपातकाल में देश के लोकतंत्र को खत्म कर दिया गया था और अब उसे बहाल किया जा रहा है। कमाल यह है कि संविधान बचाने की बात वे कर रहे हैं जिनका देश की आजादी के आंदोलन और संविधान निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा। जिन लोगों ने इस संविधान को बनाने में सहयोग नहीं दिया, हमेशा संविधान के खिलाफ बात करते रहे, जिस संविधान को बाबा साहेब अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी और संविधान सभा ने तैयार किया उसे आरएसएस के लोगों ने रामलीला मैदान में जलाया और बाबा साहेब अंबेडकर, नेहरू जी और गांधी जी का पुतला फूंका था। आरएसएस के लोगों का कहना था कि जो संविधान बाबा साहेब अंबेडकर जी ने बनाया है, उसमें उनकी पारंपरिक संस्कृति और मनुस्मृति के अंश नहीं हैं इसलिए उस संविधान को नहीं मानेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आपातकाल का मुद्दा उठाने पर भाजपा पर हमला करते हुए कहा "दरअसल, भाजपा हमारे देशव्यापी 'संविधान बचाओ आंदोलन' से घबरा गई है, इसीलिए आज वे लोग फिर से आपातकाल की बात कर रहे हैं।

सच्चाई ये है कि जो लोग अपने शासन में नाकामयाब रहे और जिनकी खुद की सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और आर्थिक बदहाली चरम पर है, वे आज लोगों का ध्यान भटका रहे हैं। जो लोग संविधान बचाओ की मांग करते हुए आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर उसे बार-बार दोहरा रहे हैं, भूली बिसरी बात उछालने की कोशिश कर रहे हैं उनका देश की आजादी में कोई योगदान नहीं रहा वे आपातकाल की बात करते हैं।"

उन्होंने कहा कि एक साल से कांग्रेस का संविधान बचाओ आंदोलन चल रहा है, लेकिन उनकी समझ में अब बात आई है और घबरा कर आपाताकाल की बात कर रहे हैं। घबराहट में उन्होंने आपातकाल के 50 साल के मुद्दे को उठाना शुरु कर दिया है। भाजपा की सरकार ने कोई काम नहीं किया है। महंगाई आसामान छू रही है, भ्रष्टाचार बेरोजगारी और आर्थिक बदहाली से देश त्राही-त्राही कर रहा है और उस नाकामयाबी को छिपाने के लिए वे अब आपातकाल को मुद्दा बनाने का काम कर रहे हैं।

अनियंत्रित कार नहर में गिरने से नवजात सहित चार की मौत, तीन घायल

✷ वेबवार्ता. हल्द्वानी ✷

उत्तराखंड में नैनीताल जिले के हल्द्वानी में बुधवार सुबह एक अनियंत्रित वाहन

के नहर में गिरने से उसमें वाहन सवार नवजात शिशु सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और अन्य तीन घायल हो गए।

कुमायूं परिक्षेत्र की पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि आज सुबह हल्द्वानी में फायर ब्रिगेड दफ्तर के पीछे बहने वाली सिंचाई नहर में एक कार अनियंत्रित होकर गिर गई। जिसमें एक नवजात सहित चार लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि कार में कुल सात लोग सवार थे। कार में सवार सभी लोग ग्राम बरा, किच्छा, उधम सिंह नगर के निवासी थे। कार में सवार सभी लोग सुशीला तिवारी अस्पताल से वापस गांव लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि अचानक सिंचाई नहर में कार गिरने के बाद पलट गई। फिर थोड़ा आगे बहकर पुलिया में फंस गई। इस दौरान कार के अंदर पानी घुस गया।

श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने कार को रेस्क्यू करके नहर से बाहर निकाला। कार के शीशे खोलने पर पता चला कि एक नवजात शिशु समेत चार लोगों की मौत हो गयी है।

मृतकों की पहचान नीतू (34), कमला देवी (51), राकेश (32) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि वाहन से रामा, रमेश और वाहन चालक श्यामलाल को घायल अवस्था में सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

खड़गे के बयान पर भाजपा का पलटवार, मोदी पर की गई टिप्पणी को निंदनीय बताया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में की गई टिप्पणी को निंदनीय बताया है।

भाजपा मुख्यालय में बुधवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा कि यह एक काला दिन है। आपातकाल लागू करना भारतीय लोकतंत्र पर सीधा हमला था। कांग्रेस पार्टी घबराई हुई है और मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी उस दौर के संघर्ष के बारे में अज्ञानता को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि चाहे खड़गे हों या जयराम रमेश, उन्हें आपातकाल के दौरान झेले गए दर्द और पीड़ा का अंदाजा नहीं है। कांग्रेस नेता इस बात से अनजान हैं कि आम भारतीयों को किस तरह की पीड़ा से गुजरना पड़ा। लगभग 1.5 लाख लोगों को रातों-रात जेल में डाल दिया गया और बिना कैबिनेट के फैसले के आधी रात को आपातकाल लागू कर दिया गया।

उल्लेखनीय है कि बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेसवार्ता में आपातकाल की 50 वीं बरसी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की विफलताओं को छिपाने के लिए भाजपा 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का नाटक कर रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के कारण आज संविधान संकट में है।

आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र को मंजूरी

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी)के क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना को स्वीकृति दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रश्ताव का अनुमोदन किया गया।

बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि आगरा के सिंगना में सीआईपी के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (सीएसएआरसी) की स्थापना के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के प्रश्ताव को मंजूरी दे दी गयी है।

उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य आलू और शकरकंद की उत्पादकता, फसल पश्चात प्रबंधन और खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, किसानों की आय और रोजगार सृजन को बढ़ाना है।

आयोग का ईसीआईनेट चालू, परिणाम के 72 घंटे में इंडेक्स कार्ड जारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चुनाव आयोग ने केरल, गुजरात, पंजाब और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों पर हाल ही में संपन्न हुए उपचुनावों में अपने नए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआईनेट का परिचालन सफलता पूर्वक शुरू कर दिया है और यह आने वाले दिनों में पूरी तरह चालू होगा।

यह जानकारी आयोग की बुधवार को एक विज्ञप्ति में दी गयी। आयोग ने इस साल चार मई को ईसीआईनेट नामक से एक नए वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के विकास की घोषणा की थी, जिसमें विभिन्न हितधारकों के लिए आयोग द्वारा परिचालित 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशन एकीकृत किए गए हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि हाल के उप चुनावों में ईसीआईईनेट के कुछ मॉड्यूल का सफल कार्यान्वयन देखा गया, जो आने वाले हफ्तों में पूरी तरह से चालू हो जाएगा।

ईसीआईईनेट मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर मतदाताओं और अन्य हितधारकों के लाभ के लिए चुनाव संबंधी जानकारी का समय पर और अद्यतन प्रकटीकरण करने के लिए आयोग द्वारा की गई विभिन्न पहलों में से एक है।

आयोग का कहना है कि उपचुनावों के दौरान पीठासीन अधिकारियों (पीआरओ) ने सीधे ईसीआईएनईटी पर मतदान की गति (वीटीआर) के रुझान अपलोड किए जो पहले हाथ से भर कर जारी किए जाते थे।

इससे सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान हुआ, पारदर्शिता बढ़ी और वीटीआर रुझान प्रकाशित करने में लगने वाले समय में उल्लेखनीय कमी आई।

असलम सिद्दीकी को आसपा का नगर अध्यक्ष, मनोनीत होने पर उनका फूल मालाओ से किया गया स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

असलम सिद्दीकी को आजाद समाज पार्टी नगीना का नगर अध्यक्ष बनाये जाने पर उनके समर्थको ने फूल मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया।

जिला अध्यक्ष, सत्येंद्र कुमार ने नगीना के मोहल्ला. छंगा वाला, चौक निवासी, सभासद, असलम सिद्दीकी को, आजाद समाज पार्टी का, नगीना नगर अध्यक्ष नाम जद किया। उनसे यह आशा व्यक्त की जाती है कि वह अनुशासन में रहते हुए, पार्टी हित में कार्य करेंगे। असलम सिद्दीकी ने आजाद समाज पार्टी नगीना का नगर अध्यक्ष बनाये जाने पर कहा कि मैं पार्टी की नीतियों को ध्यान में रखते हुए पार्टी के हित के लिए कार्य करूंगा तथा पार्टी को मजबूती दिलाने का कार्य करूंगा। इस मौके पर उनके चाहने वालों नेउन्हें फूल माला पहनाकर और मिठाई खुलाकर उन्हें बधाई दी ।उन्हे मुबारकबाद देने बालों में फारुख अंसारी,मोहम्मद दानिश, तहसीन अहमद, वसीम अंसारी एडवोकेट ,मास्टर कपिल, अजहर, कमानी, ज्ञान सिंह, सलाउद्दीन, मजहर, सानू, मोहम्मद नसीम आदि रहे।

एसडीएम व सीओ ने पुलिस बल के साथ नगीना में किये पैदल गश्त

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

आमजन में सुरक्षा की भावना जागृत करने के उद्देश्य से एसडीएम व क्षेत्राधिकारी ने पैदल गश्त कर पुलिस प्रशासन की सजगता का परिचय दिया।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर एसडीएम आशुतोष जैसवाल व पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी चतुर्वेदी ने नगीना में शांति एवं कानून व्यवस्था तथा आमजन में सुरक्षा का भाव जागृत करने के उद्देश्य से मंगलवार की देर शाम को नगर के मुख्य मार्गो व बाजारों में पैदल गश्त कर पुलिस की सजगता का परिचय दिया ,पैदल गश्त में थाना प्रभारी तेजपाल सिंह सहयोगी दारोगाओं व पुलिस कर्मियों के साथ मौजूद रहे।

मां सर्वेश्वरी मंदिर का दो दिवसीय द्वितीय वार्षिकोत्सव प्रारंभ

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मां सर्वेश्वरी मंदिर के द्वितीय वार्षिकोत्सव के शुभ अवसर पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। समाजसेवी भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक के अनुसार एशियन पब्लिक स्कूल वाली गली, न्यू राजेंद्र नगर अलीगढ़ पर स्थित मां सर्वेश्वरी मंदिर का द्वितीय वार्षिकोत्सव बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर प्रथम दिन अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ के शुभ अवसर पर मुख्य आयोजक एडवोकेट संजीव कुमार वार्ष्णेय और उनकी धर्मपत्नी मीनाक्षी वार्ष्णेय ने मां जानकी एवं श्री राम जी की विधिवत पूजा अर्चना की। इस अवसर पर संजीव वार्ष्णेय, मीनाक्षी वार्ष्णेय, दीपक वार्ष्णेय, नेहा वार्ष्णेय, मुनील वार्ष्णेय, रुपाली वार्ष्णेय, भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक,निर्भय गुप्ता, बृजराज वार्ष्णेय, दिनेश गुप्ता, पंकज वार्ष्णेय, खेमेंद्र गुप्ता, आभा वार्ष्णेय, विशाल वार्ष्णेय, भव्य वार्ष्णेय, राकेश वार्ष्णेय, बुलबुल वार्ष्णेय, ज्योति वार्ष्णेय, अंकित गुप्ता, नूपुर वार्ष्णेय और अनन्य वार्ष्णेय आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एसआईएस सिक्योरिटी कंपनी दिल्ली बनी बेरोजगारों का सहारा

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

सहायक निदेशक सेवायोजन डॉ. पीपीसी शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद नई दिल्ली एवं एसआईएस सिक्योरिटी कंपनी दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में सुरक्षा कार्यों के लिए अभ्यर्थियों को पंजीकृत कर प्रशिक्षणोपरांत रोजगार दिए जाने के लिए 25 जून से 29 जुलाई तक विकास खण्ड शतर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि 25 और 26 जून को अतरौली, 27 और 28 जून टप्पल, 4 और 5 जुलाई को चंडौस, 7 और 8 जुलाई को जवां, 9 और 10 जुलाई खैर, 11 और 12 जुलाई को लोधा, 16 और 17 जुलाई को अकराबाद, 18 और 19 जुलाई को इगलास, 21 और 22 जुलाई को गोंडा, 23 और 24 जुलाई को बिजौली, 25 और 26 जुलाई को गंगीरी एवं 28 व 29 जुलाई को ब्लॉक में पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। किसी भी रोजगार शिविर एवं पंजीकरण के संबंध में किसी भी जानकारी के लिए एसआईएस सिक्योरिटी कंपनी के अजीत सिंह भर्ती अधिकारी (7668126416) एवं सोनू सिंह भर्ती अधिकारी (7534094820), कमाण्डेंट राहुल दीक्षित (7838282197) से दूरभाष पर वार्ता की जा सकती है।

आदीवासी, हत्याओं का दौर खत्म होना चाहिए : भाकपा

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव इकबाल मंद नक्सलवाद के नाम पर गरीबा आदीवासी की रोजाना हत्याए हो रही है जिसको रूकना चाहिए। भाकपा का कहना है कि क्या पुरुष, महिलाओं की हत्या, गरीबों और दमितों को न्याय दिलाती हैं।

शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे: महाराष्ट्र में बनेगा देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे, 8 घंटे और 800 किलोमीटर का सफर

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को कैबिनेट मीटिंग के बाद शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे के निर्माण का ऐलान किया। कैबिनेट मीटिंग में इस एक्सप्रेसवे को मंजूरी दी गई और इसके लिए 20 हजार करोड़ से ज्यादा के फंड को मंजूरी दी गई। यह एक्सप्रेसवे बेहद खास है क्योंकि किसी एक राज्य के अंदर ही बनने वाला देश का यह सबसे लंबा एक्सप्रेसवे होगा। इससे पहले मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे और यूपी का प्रयाग एक्सप्रेसवे सबसे लंबे थे। इस एक्सप्रेसवे के माध्यम से नागपुर से सीधा गोवा पहुंचा जा सकेगा और यह कुल 805 किलोमीटर लंबा होगा। सरकार का प्लान है कि इस एक्सप्रेसवे का पूरा सफर 8 घंटे में तय हो सके। इस तरह लोग 8 घंटे में ही 800 किलोमीटर का रास्ता तय कर लेंगे।

पूर्वी महाराष्ट्र से कोंकण और सीधे गोवा पहुंचाने वाला यह एक्सप्रेसवे 12 जिलों को जोड़ेगा। इससे महाराष्ट्र के विदर्भ समेत कई पिछड़े जिलों के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। फिलहाल नागपुर से यदि सड़क मार्ग से आप गोवा जाना चाहते हैं तो 18 घंटे का वक्त लगता है, जो घटकर महज 8 घंटे रह जाएगा। इस तरह 10 घंटों का वक्त यह एक्सप्रेसवे बचाएगा। इस एक्सप्रेसवे का नाम शक्तिपीठ इसलिए रखा गया है क्योंकि यह महालक्ष्मी, तुलजाभवानी और पत्रादेवी शक्तिपीठ को जोड़ेगा। इसके अलावा पंढरपुर, नांदेड़ और सेवाग्राम जैसे स्थानों को भी इससे जोड़ा जा सकेगा। सिखों का पवित्र तीर्थ स्थल तख्त सचखंड साहिब नांदेड़ में ही स्थित है।

यह एक्सप्रेसवे वर्धा के पावनार से शुरू होगा और उत्तर गोवा के पत्रादेवी में समाप्त होगा। इस एक्सप्रेसवे के बनने से महाराष्ट्र के ही कई जिले आपस में जुड़ेंगे तो वहीं मध्य भारत से भी गोवा पहुंचना आसान होगा। महाराष्ट्र के औद्योगिक विकास के लिए भी इसे अहम माना जा रहा है। इस एक्सप्रेसवे का प्रस्ताव एकनाथ शिंदे सरकार के दौर में देवेंद्र फडणवीस ने ही रखा था, जो तब डिप्टी सीएम हुआ करते थे। अब उन्होंने इसके अमल को मंजूरी दे दी है। बता दें कि देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे भी महाराष्ट्र को दिल्ली से जोड़ रहा है। इस तरह महाराष्ट्र में एक यह और बड़ा प्रोजेक्ट शुरू हो रहा है। दिल्ली से मुंबई को जोड़ने वाला एक्सप्रेसवे 1450 किलोमीटर लंबा है और इसके एक हिस्से में वाहन चलना शुरू भी हो गए हैं।

अल्पसंख्यक कॉलेजों में नहीं मिलेगा आरक्षण का लाभ, महाराष्ट्र में जल्द जारी होगी पहली मेरिट लिस्ट

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार द्वारा सोमवार को एक सरकारी निर्णय जारी कर यह स्पष्ट कर दिया गया है कि एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण अल्पसंख्यक कॉलेजों पर लागू नहीं होगा। हालांकि, कई कॉलेज अब भी बदले हुए सीट मैट्रिक्स के अनुसार दाखिला ले रहे हैं। इससे 11वीं कक्षा की पहली मेरिट सूची गुरुवार को जारी होने पर संशय बन गया है। सूत्रों के अनुसार, सोमवार के आदेश के बाद कई अल्पसंख्यक कॉलेजों ने मंगलवार को छात्रों को दोबारा बुलाया और उनसे नए आवेदन भरवाए गए। उन पर ताजा तारीख (मंगलवार) लिखवाई गई और उनसे शुक्रवार तक फीस जमा करने को कहा गया। इस साल 10वीं की परीक्षा जल्दी हुई और 13 मई को ही परिणाम घोषित कर दिए गए, जिससे छात्रों को पहले दाखिले की उम्मीद थी। लेकिन उसके बाद सरकार ने पहले नया केंद्रीकृत प्रवेश प्रणाली लागू करने की कोशिश की और फिर अल्पसंख्यक संस्थानों में आरक्षण लागू करने की योजना बनाई, जिससे पूरी प्रक्रिया में विलंब हो गया।

मेरिट लिस्ट की तारीख पर स्थिति स्पष्ट नहीं : एडमिशन सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हम देख रहे हैं कि क्या गुरुवार को पहली मेरिट सूची घोषित की जा सकती है। हम बुधवार को सभी जानकारियां एकत्र कर अंतिम निर्णय लेंगे कि सूची गुरुवार को जारी हो पाएगी या छात्रों को और समय देना पड़ेगा। बदले हुए नियमों और बार-बार की गई प्रक्रियागत फेरबदल ने छात्रों और अभिभावकों में भ्रम और चिंता पैदा कर दी है। कई अभिभावकों ने शिकायत की है कि अल्पसंख्यक कॉलेजों में अब भी पहले आरक्षण के आधार पर सीटें भरने की प्रक्रिया चल रही है, जो सोमवार के जीआर के अनुसार न्यायसंगत नहीं है।

जस्टिस वर्मा पर क्यों नहीं हुई एफआईआर

कोड ऑफ कंडक्ट का पालन नहीं कर रहे जज, सांसदों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कैश कांड में बुरे फंसे जस्टिस यशवंत वर्मा पर संसदीय पैनल ने भी सवाल उठाए हैं और सरकार से पूछा है कि आखिर उनके खिलाफ अब तक कोई एफआईआर क्यों नहीं दर्ज हुई। मंगलवार को कानून एवं न्याय मामलों की संसदीय समिति की मीटिंग हुई, जिसमें सांसदों ने न्यायपालिका में भ्रष्ट आचरण को लेकर चिंता जताई। सांसदों ने कहा कि एक जज के यहां बड़े पैमाने पर कैश पाया जाना सोचने वाली बात है। इसके अलावा उन्होंने जजों के राजनीतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने और संपत्ति घोषित करने में देरी को लेकर भी सवाल उठाया।

सदस्यों का सीधा सवाल यही था कि दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर जब बड़े पैमाने पर कैश पाया गया तो इस मामले में एफआईआर क्यों नहीं हुई है। फिलहाल जस्टिस वर्मा इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज हैं और इस कांड के बाद उनका ट्रांसफर हो गया था। बंगाल के एक सांसद ने तो सीधा सवाल दागा कि जब अनियमितता के आरोपों में 25 हजार से ज्यादा अध्यापकों को नौकरी से हटा दिया गया तो फिर जज के खिलाफ कोई ऐक्शन क्यों नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि इन अध्यापकों की तो जॉइनिंग भी 2016 में हुई थी। एक सांसद ने कहा कि आखिर यह क्या ऐक्शन हुआ कि गंभीर आरोपों में घिरे जज का सिर्फ एक हाई कोर्ट से दूसरे में ट्रांसफर कर दिया गया।

कोड ऑफ कंडक्ट का क्यों नहीं हो रहा पालन

कुछ सदस्यों ने जजों के लिए बने 16 पॉइंट के कोड ऑफ कंडक्ट का पालन न होने पर भी सवाल किया। यह कोड ऑफ कंडक्ट सुप्रीम कोर्ट ने ही 1997 में लागू किया था। सांसदों ने कहा कि जजों के लिए यह कोड ऑफ कंडक्ट सिर्फ कागजों में ही है। इसके 2023 में सिफारिश की गई थी कि जजों को अपनी संपत्ति घोषित करनी चाहिए, लेकिन इसका पालन भी अधूरा ही है।

संपत्ति घोषित करने में देरी पर भी उठे सवाल

उन्होंने कहा कि कई जज तो अब तक संपत्ति घोषित करने से बच रहे हैं। इसके अलावा जजों के राजनीतिक दलों या उनसे जुड़े संगठनों के आयोजनों में हिस्सा लेने पर भी सवाल खड़े किए गए। सदस्यों ने कहा कि चिंता की बात यह भी है कि कुछ जज रिटायरमेंट के बाद भी पद ले रहे हैं। इस मीटिंग में विपक्षी दलों से जुड़े सांसदों ने जस्टिस शेखर यादव का भी जिक्र किया। वह विश्व हिंदू परिषद के एक आयोजन में शामिल हुए थे और उनके कुछ बयानों पर विवाद खड़ा हो गया था।

अजमेर हाईवे पर केमिकल टैंकर पलटा, आग में झुलसकर ड्राइवर की मौत

अजमेर , एजेंसी। अजमेर हाईवे बुधवार सुबह उस वक्त दहशत की जद में आ गया जब एनएच-48 पर मौखमपुरा के पास एक केमिकल टैंकर ने भीषण हादसे का रूप ले लिया। सुबह करीब 8:30 बजे का समय था, जब रोज की तरह लोग अपने-अपने गंतव्यों की ओर बढ़ रहे थे। तभी अचानक एक मेथेनॉल से भरा टैंकर बेकाबू होकर पलटा और पलटते ही आग का भीषण गोला बन गया।

कुछ ही सेकेंड में टैंकर धू-धू कर जलने लगा और देखते ही देखते पूरी सड़क आग की लपटों में घिर गई। हादसे में टैंकर का ड्राइवर राजेन्द्र जिंदा जल गया, उसका शव पूरी तरह से जलकर राख हो गया। मौके पर मौजूद लोग सिर्फ चीखते-चिल्लाते रह गए। जो जहां था, वहां से जान बचाकर भागा। हाईवे पर भगदड़ मच गई, लोग अपने वाहन सड़क किनारे छोड़ खेतों की ओर दौड़ पड़े। वहां मौजूद हर शख्स की आंखों के सामने जलती लपटों में एक जिंदगी खत्म हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टैंकर पलटते ही एक तेज धमाका हुआ और फिर चारों तरफ धुएं और आग का गुबार फैल गया। ट्रैफिक थम गया, लोग कांप उठे। विशाल नाम के युवक ने बताया कि वह जयपुर की ओर जा रहा था, तभी सामने से टैंकर पलटा और अगले ही पल आग का भयानक नजारा देखने को मिला। हम सब डर के मारे कार से उतर गए और जितनी तेजी से हो सका, पीछे की ओर भागे। आसपास की सभी गाड़ियां रुक गईं, हर कोई अपनी जान बचाने में लगा था।

सूचना मिलते ही मौखमपुरा थाना पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग बुझाने के लिए फॉम का इस्तेमाल किया गया और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक टैंकर पूरी तरह जल चुका था और ड्राइवर की मौत हो चुकी थी।

हेड कॉन्स्टेबल मदन कसवा ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही टीम मौके पर पहुंच गई थी। टैंकर में केमिकल मेथेनॉल भरा हुआ था जो अत्यंत ज्वलनशील होता है। आग की भयावहता को देखते हुए अभी केवल एक मार्ग से ट्रैफिक को निकाला जा रहा है, जबकि दूसरा मार्ग बंद कर दिया गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

आसाराम की जमानत अवधि बढ़ाने की अर्जी, गुजरात हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को स्वयंभू संत आसाराम द्वारा अपनी अस्थायी जमानत की अवधि बढ़ाने के लिए दायर की गई याचिका पर राज्य सरकार से जवाब मांगा। साल 2013 के एक दुष्कर्म मामले में आसाराम (86) को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। आसाराम फिलहाल मेडिकल ग्राउंड पर जमानत पर है।

जस्टिस इलेश वोरा और जस्टिस संदीप भट्ट की खंडपीठ ने सरकार को नोटिस जारी कर 27 जून तक जवाब मांगा है। उच्च न्यायालय ने 28 मार्च को आसाराम को तीन महीने की अस्थायी जमानत दी थी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट द्वारा उसे पूर्व में दी गई अंतरिम जमानत 31 मार्च को समाप्त हो रही थी। हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने एक विभाजित फैसला सुनाया था जिसके बाद एक तीसरे न्यायाधीश, जिनके पास मामला भेजा गया था। फिर अदालत ने आसाराम को तीन महीने की अस्थायी जमानत देने के पक्ष में फैसला सुनाया। गांधीनगर की एक अदालत ने जनवरी 2023 में दुष्कर्म के मामले में आसाराम को दोषी ठहराया था। वह एक अन्य मामले में भी आजीवन कारावास की सजा काट रहा है, जिसमें उसे 2013 में राजस्थान में अपने आश्रम में एक लड़की से दुष्कर्म करने के आरोप में दोषी ठहराया गया था। वर्तमान मामले में उसे 2001 से 2006 के बीच सूरत की रहने वाली एक महिला अनुयायी से तब कई बार दुष्कर्म करने का दोषी ठहराया गया था, जब वह अहमदाबाद के पास मोटेरा स्थित उसके आश्रम में रह रही थी।

लुधियाना उपचुनाव में हार के बाद कांग्रेस में घमासान, 2 बड़े नेताओं ने दिया इस्तीफा

लुधियाना , एजेंसी। लुधियाना पश्चिमी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस में गुटबाजी की चर्चा तेज हो गई है। हालांकि प्रदेश अध्यक्ष ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है, लेकिन पंजाब कांग्रेस में बगावती सुर और तेज हो गए हैं। मंगलवार को पार्टी के दो वरिष्ठ नेता परगट सिंह और कुशलदीप सिंह ढिल्लों ने पंजाब कांग्रेस के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। इन्होंने अपने इस्तीफे ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल को भेजे हैं। दोनों नेताओं ने पार्टी की हालिया हार के लिए सामूहिक आत्ममंथन की मांग की है और प्रदेश कांग्रेस संगठन के पुनर्गठन की जरूरत पर जोर दिया है। हालांकि, दोनों नेताओं ने इस घटनाक्रम पर कोई औपचारिक टिप्पणी नहीं की है। इस मामले पर जब पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वरिंग से पूछा गया तो उन्होंने कहा, मुझे कोई इस्तीफा प्राप्त नहीं हुआ है। यह मामला पार्टी हाईकमान के देखने का है। आपको बता दें कि इससे एक दिन पहले लुधियाना सीट से उपचुनाव लड़ रहे कांग्रेस उम्मीदवार भरत भूषण आशु ने उपचुनाव में हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

रायपुर में मेरठ के नीले ड्रम जैसा हत्याकांड, सूटकेस में मिली लाश, पुलिस अफसर के बहु-बेटे गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से बेहरमी से हत्या करके उसे छिपाने का मामला सामने आया था। धारदार हथियार से पहले गला काटा, फिर सूटकेस में भरकर सीमेंट का मोटा प्लास्टर लगाकर बंद कर दिया। उत्तर प्रदेश के मेरठ जैसी वारदात के घटने से इलाके में सनसनी मची हुई है। इस मामले में रिटायर्ड पुलिस अफसर के बेटे और बहु को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के हवाले से ये जानकारी सामने आई है कि पैसे के लेन-देन के चलते युवक की हत्या की गई है।

रायपुर के डीडी नगर थाने में सोमवार को एक युवक की स्टील के ट्रंक के अंदर सूटकेश में लाश मिली थी। ट्रंक में शव के साथ सीमेंट भी भरा था, जिसे सूनसान इलाके में फेंक दिया गया था। संदिग्ध सूटकेस के मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। शुरुआती जानकारी में शव के लगभग 3 से 4 दिन पुराना होने की बात सामने आई। संदिग्ध लाश मिलने के बाद छानबीन तेज हुई तो पुलिस टीम के अफसरों ने आरोपियों को ढूंढ निकाला। उनकी गिरफ्तारी दिल्ली में होने की बातें सामने आई है। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान रायपुर निवासी के रूप में हुई है। इस मामले में रिटायर्ड पुलिस अफसर के बेटे और बहु को गिरफ्तार किया है। ट्रंक खरीदने गए महिला - पुरुष का वीडियो फुटेज भी पुलिस के हाथ लगा है। हत्या में इस्तेमाल की गई कार को भी पुलिस ने जब्त किया है। फिलहाल पुलिस इस मामले में ज्यादा कुछ साझा करने से बच रही है। पुलिस अफसर जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करने की बात कह रहे हैं।

एएसपी दौलतराम पोर्ते ने बताया कि रायपुर के डीडी नगर थाना क्षेत्र के बाहरी इलाके में लाश को ट्रॉली बैग में डालकर उस पर सीमेंट डाल दी गई था। पुलिस को इसकी जानकारी मिली तो मामले की जांच के लिए फोरेंसिक और पुलिस टीम को बुलाया गया।

अयोध्या में पहली बार सावन में आएगी ऐसी घड़ी, राममंदिर में माता सीता संग झूला झूलेंगे श्रीराम

अयोध्या, एजेंसी। रामनगरी में इस बार झूलनोत्सव विशेष होगा। पांच सौ साल की प्रतीक्षा के बाद राम मंदिर में एक तरफ रामलला विराजमान हुए। राजा राम के पदार्पण के बाद पहला सावन आ रहा है जब युगल सरकार के रूप में राजा राम देवी मां सीता के संग झूले पर विराजित होकर झूलेंगे। मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव कहते हैं कि निश्चित रूप से यह बहुत बड़ा दिन होगा लेकिन निर्माण कार्यों की अस्त-व्यस्त स्थिति में आयोजन को वृहत्तर बनाना संभव नहीं होगा। फिलहाल उत्सव को पूरी भव्यता से मनाया जाएगा। इसके लिए रत्न जड़ित स्वर्ण झूले के निर्माण कराया जाएगा।

बताया गया कि रामलला और उनके अनुजों के लिए रत्न जड़ित झूला पहले बनवाया गया था लेकिन अब उनके लिए भी नये झूले का निर्माण होगा। इस विषय में काम चल रहा है और समय आने पर उत्सव की भव्यता दिखाई देगी। फिलहाल अभी कुछ बताना जल्दबाजी होगी। सावन माह में झूलनोत्सव अयोध्या धाम का वह सांस्कृतिक उत्सव है जहां अध्यात्म के साथ गीत-संगीत की त्रिवेणी प्रवाहमान होती है। इस उत्सव को लेकर अलग-अलग मंदिरों की अलग-अलग आचार्य परम्परा है जिसके अनुसार आयोजन किया जाता है। यह उत्सव कहीं पूरे महीने चलता है तो अधिकांश में सावन शुक्ल तृतीया से पूर्णिमा यानी 13 दिनों तक चलता है। इसके अलावा बाकी मंदिरों में एकादशी से पूर्णिमा तक पांच दिनों का उत्सव होता है। राम मंदिर में पांच दिनों के उत्सव की परम्परा चली आ रही है। जनवरी 1993 से यह परम्परा कायम है।

भवन निर्माण समिति की बैठक 27 से होगी

राम मंदिर निर्माण की प्रगति की समीक्षा के लिए हर पखवाड़े होने वाली भवन-निर्माण समिति की तीन दिवसीय बैठक 27 जून से होगी। इस बैठक के लिए समिति चेयरमैन नृपेन्द्र मिश्र 26 जून को यहां पहुंचेंगे। राम मंदिर परियोजना से सम्बन्धित अधिकांश कामों को अक्तूबर -नवम्बर तक पूरा कराने का लक्ष्य है। इसमें परकोटा से सबसे प्रमुख है।

11 सौ नित्य दर्शनार्थियों ने किया राम दरबार का दर्शन

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से रामलीला के नित्य दर्शनार्थियों के लिए दो दिन का समय तय किया गया था जब सभी नित्य दर्शनार्थियों के लिए राम दरबार खोला गया। सभी नित्य दर्शनार्थियों ने बारी-बारी से राजा राम के चरणों में अपनी श्रद्धा निवेदित की। बताया गया कि नित्य दर्शनार्थियों की संख्या 11 सौ है। हालांकि यह संख्या दो हजार के ऊपर थी लेकिन नवीनीकरण के बाद इनकी संख्या घटकर 11 सौ रह गई है।

मणि पर्वत के झूलनोत्सव से मंदिरों में होती है उत्सव

राम नगरी झूलनोत्सव की शुरुआत मणि पर्वत के उत्सव से होती है। सावन शुक्ल तृतीया तिथि को यहां विभिन्न मंदिरों से भगवान के श्रीविग्रह व स्वरूपों को लाकर झूले पर बैठाया जाता है और फिर मधुर उपासना परम्परा के आचार्यों के द्वारा रचित पदों का गायन होता है। यह युगल सरकार अर्थात भगवान श्रीसीताराम के स्मृति का पर्व है। सैकड़ों सालों से कायम परम्परा संतों के उस श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है जिसके पांच सौ सालों की प्रतीक्षा का अंत हो सका। तीर्थ क्षेत्र की धार्मिक न्यास समिति के सदस्य व हनुमत निवास महंत मिथिलेश नंदिनी शरण कहते हैं कि सत संकल्प की पूर्ति अवश्य होती है।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार मामा-भांजे घायल

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । मेरठ रोड पर रिलायंस पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार कार ने स्कूटी पर जा रहे मामा और भांजे को टक्कर मार दी। इसके बाद आरोपी मामा को करीब 100 मीटर तक घसीटता ले गया। मामले में नंदग्राम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस के अनुसार, घुकना निवासी संगीता ने शिकायत देकर बताया कि उनके पति ओमप्रकाश पंखा बनाने की कंपनी में काम करते हैं। काम अधिक होने की वजह से 22 जून की सुबह उनका 13 वर्षीय आशीष अपने मामा ओमप्रकाश को खाना देने गया था। इस दौरान दोनों वापसी में स्कूटी से लौट रहे थे। जब दोनों मेरठ रोड स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, तभी तेज रफ्तार गाड़ी चालक ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी पर पीछे बैठा भांजा आशीष दूर जाकर गिरा, जिसके चलते उसके शरीर में चोट आईं और बाएं पैर की हड्डी भी टूट गई। वहीं, आरोपी कार चालक उनके पति ओमप्रकाश को लगभग 100 मीटर तक घसीटता ले गया। एसीपी का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार ऑटो व कार की भिड़ंत, दंपति समेत चार घायल

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे पर टोल टैक्स के पास मंगलवार शाम एक तेज रफ्तार ऑटो व कार की भिड़ंत हो गई। ऑटो में बैठे दंपति उनकी बेटी व एक युवक घायल हो गये। पुलिस कार व ऑटो को कब्जे में लेकर चालक की तलाश में जुटी है। ट्रोनिका सिटी निशांत कालोनी में प्रभाकर पांडे रहते है। वह मंगलवार को पत्नी सोनिया के साथ बेटी प्रिया की एमआरआई कराने दिल्ली के अस्पताल गये थे। घर लौटते समय वह ऑटो में पत्नी व बेटी के साथ पिछली सीट पर बैठे थे। जबकि आगे चालक समेत पांच लोग बैठे हुए थे। आरोप है कि ऑटो में तेज आवाज में गाना चल रहा था और चालक ऑटो को तेज गति में चला रहा था। जब ऑटो दिल्ली सहारनपुर हाईवे पर टोल टैक्स के पास पहुंचा तो एक कार से भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद कार व ऑटो चालक मौके से फरार हो गये। राहगीरों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने दंपति उनकी बेटी व एक युवक अमित को एंबुलेंस की सहायता से नाई पुरा अस्पताल भिजवाया। पीड़ति प्रभाकर ने बताया कि हादसे में बेटी व पत्नी के पैर की हड्डी टूट गई है। दोनों का उपचार दिल्ली के अस्पताल से जारी है। सीओ अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि ऑटो व कार को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है। मामले में जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

इंजीनियरिंग के छात्र से बदमाशों ने छीना मोबाइल फोन

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । साहिबाबाद थानाक्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने इंजीनियरिंग के छात्र से मोबाइल छीन लिया। वारदात 19 जून की है, जिसमें मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज की गई है। हिंडन एयरफोर्स स्टेशन के स्टाफ क्वॉर्टर में अपने मामा के साथ रहने वाले अंकित सिंह काइट ग्रुप इंस्टीट्यूशंस से बीटेक कर रहे हैं। 19 जून की शाम को वह घर से मोहननगर मेट्रो स्टेशन की ओर साइकिल से जा रहे थे। स्टेशन के पास बाइक सवार दो बदमाश पीछे से आए और उनका मोबाइल फोन छीनकर भाग गए। पीड़ित के मुताबिक बदमाश स्प्लेंडर बाइक पर थे।

कहासुनी के बाद पड़ोसियों को पीटा

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । लोनी थाना क्षेत्र में तीन भाइयों ने कहासुनी के बाद लाठी डंडों से व्यक्ति और परिजनों के साथ मारपीट की। 21 जून की घटना में मंगलवार को पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। गनौली गांव में रहने वाले राजेंद्र सिंह की शनिवार को पड़ोसी हरेंद्र से कहासुनी हो गई थी। इसके बाद हरेंद्र और उसके भाई वितुल व रोहित ने उनके साथ लाठी डंडों से मारपीट की। उनके बेटे हर्ष व हिमांशु और भाभी तुलसी उन्हें बचाने के लिए आये तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। मारपीट में उन्हें काफी चोट आई। लोगों को एकत्र होता देख आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गये।

मकान में घुसकर चार लैपटॉप चुराए

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । साहिबाबाद थानाक्षेत्र स्थित मकान में घुसकर चोर चार लैपटॉप चोरी कर ले गए। लाजपतनगर निवासी विपिन लखेरा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 13 जून की रात को वह बाहर गए थे। 14 जून को लौटे तो घर से चारों लैपटॉप गायब हो चुके थे। तीन लैपटॉप कंपनी के थे, जबकि एक उनका था। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से चोर की पहचान के प्रयास कर रही है।

लापता युवक का शव गंगनहर में मिला

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । शास्त्रीनगर के एक स्टोर पर डिलीवरी काम करने वाले युवक का शव बुधवार को गंगनहर से बरामद हुआ। युवक 22 जून को संदिग्ध परिस्थिति में लापता हो गया था। पुलिस के अनुसार, मृतक प्रवीण की बाइक 23 जून को कमला नेहरू नगर में केंद्रीय विद्यालय के पास झाड़ियों में मिली थी। परिवार वालों ने प्रवीण के पांच सहकर्मियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए मंगलवार को शास्त्रीनगर पुलिस चौकी पर हंगामा किया था। पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि मृतक के शरीर पर चोट के निशान हैं। एसीपी का कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद मौत की सही वजह पता चलेगी।

सरकारी अस्पताल के लिए मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । इंदिरापुरम के अभय खंड वार्ड पार्षद हरीश कड़ाकोटी ने बुधवार को प्रदेश मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र भेजा। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने इंदिरापुरम में सरकारी अस्पताल बनाए जाने की मांग की। उनका कहना है कि इंदिरापुरम में डिस्पेंसरी की सुविधा तो लोगों को मिल रही है, लेकिन एक भी सरकारी अस्पताल क्षेत्र में नहीं है। ऐसे में क्षेत्र में निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों को इलाज कराने के लिए दिल्ली का सफर तय करना पड़ रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गाजियाबाद को आज मिलेगा पहला डाटा सेंटर

सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे मुख्यमंत्री योगी

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद

दिल्ली एनसीआर में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले जिला गाजियाबाद को आज पहला डाटा सेंटर मिलने जा रहा है। डाटा सेंटर की शुरूआत आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।

उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली। इस दौरान वह साहिबाबाद स्थित सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के स्वर्ण जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भी शामिल होंगे।

कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस, पीएसी और स्पेशल कमांडो समेत कुल 1,400 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

हिंडन एयरफोर्स स्टेशन से लेकर कार्यक्रम स्थल तक सुरक्षा के कई श्तर पर बंदोबश्त किए गए हैं। कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था का वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने निरीक्षण भी किया है। दरअसल, मुख्यमंत्री योगी सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड कंपनी के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेंगे।

यह आयोजन कंपनी परिसर में सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, प्रदेश सरकार के मंत्री सुनील शर्मा, स्थानीय सांसद अतुल गर्ग और गाजियाबाद के सभी विधायक मौजूद रहेंगे।

मुख्यमंत्री लखनऊ से स्टेट प्लेन के जरिए हिंडन एयरबेस पहुंचेंगे, जहां से वह सीधे कार्यक्रम स्थल पर जाएंगे। मुख्यमंत्री कार्यक्रम में सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की अब तक की उपलब्धियों का अवलोकन करेंगे और कंपनी के भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करेंगे।

इसके साथ ही उनके कर्मचारियों और अधिकारियों को संबोधित किए जाने की भी संभावना है। जिला प्रशासन के अधिकारी भी आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं। कार्यक्रम स्थल और आसपास के इलाकों में साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था को भी दुरुश्त किया गया है।

इसके अलावा, पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की तरफ से सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं और जगह-जगह पर पुलिसकर्मी और यातायात विभाग के कर्मियों की तैनाती की गई है।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारी ने केंद्र सरकार के खेल मंत्री से की मुलाकात

एनसीआर टुडे. बिजनौर

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा (स्थापित-1908) के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बच्चू सिंह बैंसला एवं राष्ट्रीय प्रमुख महामंत्री सुधीर बैंसला के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख भाई मांडविया तथा खेल राज्य मंत्री एवं महासभा महिला ईकाई की राष्ट्रीय संरक्षक व प्रभारी रक्षा खड़से से राजस्थान के दूदू निवासी महेन्द्र गुर्जर की मुलाकात कराकर उनकी और उनके कोच समरजीत सिंह मल्ली की समस्याओं का निराकरण कराया।

जनपद निवासी एवं अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं प्रचार मंत्री डॉ० मनोज कटारिया ने जानकारी देते हुए बताया कि स्विट्जरलैंड में नॉटविल विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रांड प्री में पुरुषों की भाला फेंक एफ 42 श्रेणी में 61.17 मीटर के प्रयास से विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक विजेता महेन्द्र गुर्जर एवं उनके कोच समरजीत सिंह मल्ली की केंद्रीय खेल मंत्रियों से मुलाकात करायी।

भारत सरकार के दोनों मंत्रियों से राष्ट्रीय प्रमुख महामंत्री सुधीर बैंसला, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बच्चू सिंह बैंसला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीएन सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं प्रचार मंत्री डॉ० मनोज कटारिया और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य विवेक बैंसला आदि राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने समाज से जुड़े सामाजिक मुद्दो एवं खेल के क्षेत्र में गुर्जर समुदाय की भागीदारी बढ़ाने के लिए विश्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने दोनों केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात कराकर विश्व स्वर्ण पदक विजेता महेन्द्र गुर्जर एवं उनके कोच समरजीत मल्ली की समस्याओं का निश्तारण करवाया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा महामंत्री दीपक बैंसला, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह नागर, प्रदेश मंत्री अमरजीत चौधरी एवं नोएडा महानगर अध्यक्ष सुशील अवाना आदि उपस्थित रहें।

मीट व्यापारियों के साथ मारपीट दो आरोपयों की बेल अर्जी खारिज

एनसीआर टुडे. अलीगढ़

कलाई हरदुआगंज के क्षेत्र अलहदादपुर के पास मीट व्यापारियों मारपीट की घटना में जेल में में बंद शामिल दो आरोपितों की अदालत ने जमानत अर्जी खारिज करदी।

मिली जानकारी के अनुसार 24 मई की सुबह अतरौली के मोहल्ला कस्साबान के मीट व्यापारी रोरावर की मीट निर्यातक यूनिट से लोडर वाहन में पशु मांस लेकर अतरौली जा रहे थे। अलहदादपुर के पास संरक्षित पशु मांस के अंदेशे में उनकी गाड़ी रोककर उसमें सवार मीट व्यापारियों को बेरहमी से पीटा गया।

इस संबंध में मुकदमा मो. सलीम ने कराया। इसमें कहा है कि उनका बेटा अकील, भतीजा अरबाज दो साथियों संग बिक्री के लिए मीट लेकर आ रहे थे। तभी उन्हें रॉड व डंडों से पीटा गया। इस घटना को 50 हजार रुपये की रंगदारी न देने पर अंजाम दिया गया।

मामले में 12 नामजद व 20-25 अज्ञात आरोपी बनाए गए। पुलिस ने कलाई हरदुआगंज के विजय कुमार गुप्ता व अलहदादपुर के भानु प्रताप उर्फ भूरा सहित चार आरोपियों को जेल भेजा था। इन दोनों की ओर से सत्र न्यायालय में जमानत अर्जी दायर की थी।

चोरी के माल समेत दबोचा

एनसीआर टुडे. अलीगढ़। थाना खैर पुलिस द्वारा परचून की दुकान से चोरी में चोर गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से चोरी का सामान व रुपये बरामद किये हैं। मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त मनोज कुमार पुत्र पीताम्बर सिंह निवासी ग्राम नायल थाना खैर जनपद अलीगढ़ को नायल रोड पुराना कोल्ड स्टोर से गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से चोरी का सामान 06 पैकेट बादाम, 08 पैकेट काजू, 06 पैकेट मुनकखा, 05 पैकेट किशमिश, 11 पैकेट पिनेट नमकीन, 12 पैकेट भुजिया, 11 पैकेट गटिया नमकीन, 12 पैकेट नट क्रैकर व 1950 रुपये बरामद हुआ।

अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार ने संभाला कार्यभार

प्राथमिकता : नगर में स्वच्छता,स्वच्छ पेयजल, गड्ढा मुक्त सड़के

एनसीआर टुडे. सहसपुर

नगर पंचायत कार्यालय में अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल का हुआ तबादला।

नए अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार को मुजफ्फरनगर की नगर पंचायत शाहपुर से सहसपुर स्थानांतरित किया गया। उन्होंने आज नगर पंचायत सहसपुर कार्यालय में अपना कार्य भार संभाला।

अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार ने नगर पंचायत सहसपुर में अपना कार्यभार संभालते हुए बताया कि नगर पंचायत सहसपुर की जनता चाहे वो नौजवानों हो बुजुर्ग (वृद्धा) समस्त नागरिकों के साथ के साथ सदाचार, शिष्टाचार का व्यवहार (मान- सम्मान) दिया जाएगा।

अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि मेरी प्राथमिकता स्वछता (साफ - सफाई) स्वच्छ, पेयजल के साथ-साथ समश्त नगर की गड्ढा मुक्त सड़के। रात्रि में राहगीरों के लिए स्ट्रीट लाइट आदि सुविधाओं का सुधार ही मेरी प्राथमिकता होगी।

कावड़ यात्रा व मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

एनसीआर टुडे. किरतपुर। आगामी 10 मोहर्रम व कावड़ यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने को लेकर थाना परिसर में पीस कमेटी की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नायब तहसीलदार अतुल भगत व थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार ने की संयुक्त रूप से की व सफल संचालन वरिष्ठ पत्रकार मौहम्मद मेहरबान ने किया।

इस अवसर पर नायब तहसीलदार व थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार ने सभी समुदायों से आपसी भाईचारे और शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने बताया कि मोहर्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट या कानून विरोधी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शासन की गाइडलाइन के तहत ताजियों के जुलूस को निर्धारित मार्गों से ही निकाला जाएगा उन्होंने ने कहा कि नगर व क्षेत्र में अमन-चैन को बिगाड़ने की किसी को इजाजत नहीं दी जाएगी। सभी धार्मिक व सामाजिक संगठनों से सहयोग करने का अनुरोध किया गया। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि कोई भी कार्यक्रम प्रशासन की अनुमति के बिना आयोजित न किया जाए। बैठक में हसन मुश्तफा, बाकर अब्बास,इसरार जैदी, याकूब मलिक,हसन मुश्तफा, वकार कादरी, बाकर अब्बास ने अपने अपने सुझाव पेश किए। मीटिंग में डॉ. अतहर, निशात, प्रधान पति वसीम राजा, मोहम्मद रजी, हनीफ, धर्म सिंह प्रधान, रोहित प्रधान, नौबहार ग्राम प्रधान,पूर्व सभासद इरशाद कंबोज,साकिब (सभासद), जोगेंद्र, वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद याकूब,मौहम्मद मेहरबान ,दिलशाद अल्वी, रोहिल खान, परवेज़, सलीम राशिद शमीम आदि गणमान्य लोग बैठक में उपस्थित रहे।

"शक्ति दीदी" के माध्यम से महिलाओं एवं छात्राओं को किया जागरूक

एनसीआर टुडे. अलीगढ़

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन' के निर्देशन में जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं-बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5 के अंतर्गत समश्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु "शक्ति दीदी" के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया गया।

थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा 'गाँवों, कस्बों, मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल, कालेज, कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों' पर बालिकाओं, महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं, बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

शक्ति दीदी अभियान के तहत महिलाओं, बालिकाओं को शासन, यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे 'वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, साइबर सम्बन्धी एवं सीयूजी नम्बरों' के बारे में विश्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है।

पुलिस ने खोए और चोरी हुए मोबाइल किए बरामद

95 फोन मालिकों को वापस मिले

एनसीआर टुडे. अलीगढ़

पुलिस ने 95 खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस लाइन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी क्राइम ममता कुरील ने बरामद मोबाइल फोन उनके मालिकों को सौंपे।

इस संबंध में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में एसपी क्राइम ममता कुरील ने दी।

उन्होने बताया कि यह सफलता सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल की मदद से मिली। पुलिस ने इस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर मोबाइल फोनों को ट्रैक किया। सर्विलांस और साइबर सेल की टीमों ने नंबर के जरिए फोन की पहचान की।

कुछ मोबाइल गलती से दूसरे लोगों के पास चले गए थे। कुछ चोरी के बाद बेच दिए गए थे। कई लोगों ने बताया कि उनके फोन या तो कहीं गिर गए थे या चोरी हो गए थे। एक मोबाइल मालिक ने कहा कि उन्होंने उम्मीद छोड़ दी थी। लेकिन पुलिस की मेहनत से फोन वापस मिल गया।

एसपी क्राइम ममता कुरील ने नागरिकों से अपील की कि मोबाइल गुम होने या चोरी होने पर तुरंत थाने में शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही ब्म्प्त पोर्टल पर सूचना दें।

उन्होंने बताया कि प्डम्प् नंबर से मोबाइल को ट्रैक करना आसान हो जाता है। पुलिस की टीम लगातार ऐसे मामलों पर काम कर रही है।

उन्होने बरामद किये मोबइल 1 साल से इकत्रित किये जा रहे थे। जो शेष बचे मोबाइल फोन जांच के बाद दिये जायेंगे।

एएमयू हालों में अंतरराष्ट्रीय मनाया योग दिवस

एनसीआर टुडे. अलीगढ़

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2025 के वैश्विक आयोजन के अंतर्गत अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के सरोजिनी नायडू हॉल, डॉ. बी. आर. आंबेडकर हॉल, एस.एस. हॉल (नॉर्थ), बीबी फातिमा हॉल और नदीम तरीन हॉल में योग, अनुशासन और सामंजस्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रेरणादायक योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सरोजिनी नायडू हॉल में "योग संगम" कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी थीम "वन अर्थ, वन हेल्थ" (एक धरती, एक स्वास्थ्य) थी। इस कार्यक्रम में कार्यवाहक प्रोवोस्ट डॉ. सफिया नसीम, रेजीडेंट् वार्डन वर्षा सहित अन्य वार्डनों, स्टाफ और छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शारीरिक शिक्षा विभाग की छात्राओं ने विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन किया।

डॉ. बी. आर. आंबेडकर हॉल में प्रोवोस्ट प्रो. मोहम्मद तारिक के नेतृत्व में एक बड़े योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लाइव संबोधन दिखाया गया, जिसे वार्डनों, स्टाफ और प्रतिभागियों ने ध्यानपूर्वक सुना। डॉ. गौरव ने योग आसनों और प्राणायाम की सत्र का संचालन किया, जिसमें प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और इसे यादगार और ऊर्जा से भरपूर अनुभव बताया।

समापन के अवसर पर प्रोफेसर तारिक ने कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी संपत्ति है। अच्छा स्वास्थ्य न हो तो जीवन आनंददायक नहीं हो सकता। योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो।

एस.एस. हॉल (नॉर्थ) में भी योग दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया, जिसे छात्रों, वार्डनों और स्टाफ ने रुचिपूर्वक सुना। इसके बाद विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन हुआ। प्रोवोस्ट प्रो. आदम मलिक खान ने इस दिन के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि योग अनुशासित व संतुलित जीवन जीने का मार्ग है।

बीबी फातिमा हॉल में भी योग दिवस बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। छात्राएं, वार्डन और स्टाफ एक साथ इस आयोजन में शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का लाइव संबोधन दिखाया गया, जिसके बाद कॉमन योगा प्रोटोकॉल का अभ्यास दो छात्र प्रशिक्षकों - सारा सजिद खान और पूजा रानी के मार्गदर्शन में किया गया। वार्डन सदफ अहमद ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए आधुनिक जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रोवोस्ट प्रो. शारमिन खान ने छात्रों और स्टाफ की सक्रिय भागीदारी की सराहना की और कहा कि बेहतर जीवनशैली के लिए योग को रोजमर्रा की आदत में शामिल करना चाहिए।

नदीम तरीन हॉल में भी छात्रों, वार्डनों और स्टाफ ने मिलकर योग दिवस मनाया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सभी को लाइव दिखाया गया। इसके बाद छात्र स्वयंसेवकों द्वारा योग प्रदर्शन किया गया। प्रोवोस्ट डॉ. राशिद अली ने सभा को संबोधित करते हुए इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों से मानसिक स्पष्टता और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए योग को जीवन भर अपनाने का आग्रह किया।

'संविधान हत्या दिवस' पर संगोष्ठी का आयोजन

एनसीआर टुडे. अलीगढ़

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भारत में आपातकाल की घोषणा की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'संविधान हत्या दिवस' पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य आपातकाल के प्रभावों और भारतीय लोकतंत्र की संरचना में उसकी प्रासंगिकता पर समालोचनात्मक चिंतन करना था।

अपने उद्घाटन भाषण में विभागाध्यक्ष प्रो. मोहम्मद नफीस अहमद अंसारी ने इस दिन के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित किया और उन घटनाओं पर प्रकाश डाला, जिनके चलते उन्होंने इसे भारतीय लोकतंत्र का 'सबसे काला दिन' करार दिया। उन्होंने कहा कि 25 जून को केवल एक ऐतिहासिक घटना के रूप में नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नाजुकता की निरंतर याद के रूप में देखा जाना चाहिए।

प्रो. अर्शी खान ने आपातकाल की अवधि का कालक्रमानुसार विश्लेषण प्रस्तुत किया और उन राजनीतिक एवं संस्थागत कारणों को रेखांकित किया, जिनके चलते आपातकाल लागू किया गया। उन्होंने विशेष रूप से 1977 के बाद के कालखंड में इसके दीर्घकालिक प्रभावों पर भी विचार किया।

प्रो. मोहम्मद मोहिबुल हक ने आपातकाल को उस अवधि के रूप में वर्णित किया जब नागरिक स्वतंत्रताओं और मौलिक अधिकारों का हनन हुआ। उन्होंने "हम भारत के लोग", जो देश के वाश्तविक शासक हैं। पुनः प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया।

शोधार्थी वाजीहा ने संविधान हत्या दिवस की प्रासंगिकता पर एक विचारोत्तेजक दृष्टिकोण प्रश्तुत किया और लोकतंत्र की सफलता के लिए शक्तियों के पृथक्करण (सेपरेशन ऑफ पावर) की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम का सारांश प्रश्तुत करते हुए डॉ. इफ्तेखार अहमद अंसारी ने आभार ज्ञापित किया।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड गाजियाबाद।

पत्रांक- 522 / ग्रा0अ0वि0/ निविदा/पत्रा0सं0-60/2025-26 दिनांक: 16-06-2025

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना-04

1. महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड गाजियाबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों की प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्यों के लिये ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग में क्लास 'ए, बी, सी व डी' मार्ग / भवन श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार ही निविदा डालने योग्य होंगे। निविदादाता किसी एक अथवा समश्त कार्य की निविदा डाल सकता है। निविदादाता से अपेक्षा की जाती है, कि निविदा डालने से पूर्व निविदा प्रपत्र के क्लॉज सं0-3 में अंकित न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में शर्तों का भली-भाँति अध्ययन कर लें।
2. कार्य का विवरण निम्नवत है-

क्र. सं.	विधान सभा क्षेत्र/जनपद	योजना का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू में) जी०एस०टी ० सहित	बिड सिकुरिटि (इ०एम०डी०) (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
1.	गाजियाबाद गाजियाबाद	राज्य कर गाजियाबाद	जनपद गाजियाबाद के राज्य कर कार्यालय भवन मोहन नगर गाजियाबाद जोन-प्रथम में रंगाई-पुताई का कार्य	31.18	0.63	854.00	04 माह

1. ई-प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदायें प्रकाशित होने की तिथि 08.07.2025 से पूर्व।
2. ई-प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदायें प्रारम्भ होने की तिथि 08.07.2025 प्रातः 10.00 बजे से।
3. ई-प्रोक्योरमेंण्ट के माध्यम से निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि 15.07.2025 को उपरान्ह 12:00 बजे तक।
4. ई-निविदा की खोलने की तिथि एवं समयः- 16.07.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे ।
5. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज 10 के ऑनलाईन के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से निगरानी रखे और नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर जाए।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वैब साइट http//etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

(श्याम सुन्दर)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड गाजियाबाद
महामहिम राज्यपाल उ०प्र०की ओर से

UPID : 235155 दिनांक : 19-06-2025

www.up.gov.in

संपादकीय

आपातकाल : लोकतंत्र का काला अध्याय

बड़ी संख्या में लोगों ने जो माना, मेरे अनुसार वह यह है, ''आपातकाल भारत के संविधान को ध्वस्त करके लोकतंत्र को समाप्त करते हुए तानाशाही लागू करने का गहरा षड्यंत्र था।'' 25 जून, 1975 आजाद भारत का वह मनहूस दिन है जिस दिन तात्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपनी गद्दी को बचाने के लिए देश में आपातकाल ठोक दिया।

पूरे देश को जेल की काल कोठरी के रूप में तबदील कर दिया, अखबारों पर, मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। बोलने की स्वतंत्रता व संविधान में दिए गए सभी अधिकारों को समाप्त करते हुए सत्ता को केन्द्रीयकरण प्रधानमंत्री के हाथ में कर दिया और देश में तानाशाही लागू हो गई। जरा कल्पना करें कि आजाद भारत में जब पुलिस की गाड़ी आती है, एक एम्बुलेंस आती है और राह चलते किसी भी पुरुष या महिला को अस्पताल ले जाकर उसकी नसबंदी अथवा नलबंदी कर दी जाती है।

जरा सोचें कि गांव के चौराहे पर पुलिस की गाडियां आती हैं, बस लगाई जाती है और जितने भी जवान, बुजुर्ग, महिला, पुरुष वहां दिखते हैं, सबको बसों में भरा जाता है और नसबंदी के कैम्प में ले जाकर सबकी नसबंदी अथवा नलबंदी कर दी जाती है।

इससे भी बढकर जरा सोचकर देखें कि नव विवाहित पुरुष अथवा नव विवाहिता की नसबंदी अथवा नलबंदी की जा रही है तो आपको ध्यान में आएगा कि यह कोई कहानी नहीं है बल्कि आपातकाल में श्रीमती इंदिरा गांधी के राज में यह हर गांव, हर घर की कहानी बन गई थी और पुलिस की गाड़ी गांव में आते ही देखकर लोग खेतों में, पहाड़ों में, जंगलों में भाग जाया करते थे कि कहीं उनका ऑपरेशन न हो जाए।

इस प्रकार की दहशत, इस प्रकार का अमानवीय कृत्य, ये आजाद भारत में 19 महीने तक हुआ। जरा सोचकर देखें कि आप किसी सरकारी कार्यालय में गए हैं और आपने आपातकाल की कोई चर्चा भी कर डाली तो रात होने से पहले आप जेल की सलाखों के पीछे पहुंच जाएंगे, ये थी तानाशाही की पराकाष्ठा। मेरी आयु 19 वर्ष की थी।

प्रेस पर प्रतिबंध लगने के कारण हमने निर्णय लिया साईक्लो स्टाईल मशीन द्वारा अखबार छापने का। बहुत बड़ा खतरा मोल लेते हुए तीन महीने तक अखबार का एक पन्ना प्रतिदिन छापते थे और विश्वविद्यालय में रातों-रात फैंक कर आ जाते थे। पुलिस लगातार पीछे थी, तीन महीने तक ये पर्चे छपे। अंततोगत्वा पुलिस ने हमें धर दबोचा, जमकर कुटाई हुई और एक झूठा मुकदमा बनाया गया कि हम विश्वविद्यालय को बम से उड़ाने का षड्यंत्र कर रहे थे और डिफेंस इंडिया रूल (डीआईआर) लगाकर साढ़े चार महीने करनाल जेल में डाल दिया, ये था तानाशाही का आलम।

जो कांग्रेस पार्टी आज संविधान के रक्षक बनने का ढोंग रच रही है, उसने आजाद भारत में संविधान की धज्जियां उड़ाते हुए 24 जून की अर्द्धरात्रि में राष्ट्रपति महोदय के दस्तखत करवाकर आपातकाल लगा दिया और लाखों लोगों को एक ही रात में जेल की सलाखों के पीछे डाल दिया। ये इमरजेंसी कोई समाज कल्याण के लिए नहीं लगी थी, केवल कांग्रेस की सरकार बनी रहे, बची रहे, इसलिए लगाई गई थी।

श्रीमती इंदिरा गांधी के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने फैसला देते हुए उन्हें प्रधानमंत्री के पद से अपदस्थ होने के आदेश दिए थे, लेकिन श्रीमती इंदिरा गांधी ने उन आदेशों को जूते की नोक पर रखते हुए देश में आपातकाल लगा दिया और सर्वशक्तिमान बन बैठी।

श्रीमती इंदिरा गांधी ने उद्घोष करवाया 'इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा', अर्थात भारत केवल इंदिरा गांधी से है। हिटलर से भी बड़ी घोषणा कांग्रेस की नेता श्रीमती इंदिरा गांधी ने की। ''100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली''- यह कहावत कांग्रेस पार्टी और इंदिरा परिवार पर चरितार्थ होती है, जिन्होंने अपनी सत्ता को बनाए रखने के लिए, वोटों को प्राप्त करने के लिए लगभग 88 बार संविधान में परिवर्तन किए और आज उस संविधान को बचाने का नाटक करके जनता के वोट बटोरने में लगे हुए हैं। ''गरीबी हटाओ'' का नारा लगाने वाली कांग्रेस ने वोट तो लिए, पर गरीबी के प्रति चिंता नहीं की, मंगल सूत्र का नारा लगाकर वोट तो लिए परंतु महिलाओं के उत्थान व कल्याण के नाम पर नारे ही लगाए।

आपातकाल को हटाने के लिए पूरे देश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व में देशव्यापी आंदोलन किया, जेलें भरी, यातनाएं सही, तब जाकर 19 महीने बाद चुनाव की घोषणा हुई और भारत की जनता ने तानाशाही का अंत किया और लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हुई। आज कांग्रेस प्रचार कर रही है कि मोदी के राज में संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। उसे अपने अतीत पर भी विचार करना चाहिए। मोदी जी के शासन की अनेक उपलब्धियां हैं, जिनसे भारत विश्व में एक प्रखर शक्ति बनकर उभरा है।

उनके नेतृत्व में भारत निश्चित रूप से सशक्त हुआ है। हाल के दिनों में पाकिस्तान ने भारत पर जो युद्ध थोपा, उस दौरान कुछ ही दिनों में पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया गया। भारतीय सेना के युद्ध कौशल और मोदी जी के कुशल नेतृत्व के कारण पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी और वह संघर्षविराम के लिए मजबूर हो गया।

कश्मीर की चिरकाल से चली आ रही समस्या का समाधान भी मोदी सरकार ने कर दिया है। इनके अलावा कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर मोदी सरकार जनता का आशीर्वाद पा रही है।

कविता : आज भी न बरसे कारे कारे बदरा

श्रीराम तिवारी

आज भी न बरसे कारे कारे बदरा,
आषाढ़ के दिन सब सूखे बीते जावे हैं।
अरब की खाड़ी से न आगे बढ़ा मानसून,
बनिया बक्काल दाम दुगने बढ़ावे है।

वक्त पै बरस जाएं कारे-कारे बदरा,
दादुरों की धुनि पै धरनि हरषावे है।
कारी घटा घिर आये, खेतों में बरस जाए,
सारंग की धुनि संग सारंग भी गावे है।
बोनी की बेला में जो देर करे मानसून,
निर्धन किसान मन शोक उपजावे है।।

2021 की जनगणना की अधिसूचना जारी

प्रमोद भार्गव

दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की जनगणना की अधिसूचना जारी हो गई है। कोविड महामारी के कारण 2021 में होने वाली यह जनगणना अब षुरू होगी। कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष जातिवार जनगणना कराने की मांग कर रहा था। अचानक मोदी सरकार ने जातिवार जनगणना कराने का फैसला लेकर पूरे विपक्ष को चौंका दिया। क्योंकि अब यह मुद्दा हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा।

साथ ही सभी वर्गों की प्रमुख जातियों के साथ उपजातियों की जनगणना के आंकड़े जब सामने आएंगे, तब यह स्पश्ट हो जाएगा कि सैद्धांतिक रूप से जातिगत गणना कराना उचित था या नहीं? ई-बाजार, ई-आवेदन, ई-रेल व बस में आरक्षण ई-भुगतान के बाद अब ई-जनगणन यानी डिजिटल गिनती होगी। इस गिनती में जाति की गिनती भी साथ-साथ होगी। इसमें जन्म और मृत्यु दोनों ही डिजिटल जनगणना से जुड़े होंगे। हर जन्म के बाद डिजिटल जनगणना खुद ही अद्यतन हो जाएगी और जब किसी की मृत्यु होगी तो उसका नाम खुद ही डाटा से डिलीट हो जाएगा।

सेंसर रजिस्टर यानी जनगणना में बच्चे के जन्म माता-पिता, जाति और जन्म स्थान की जानकारी समेत 16 भाशाओं में 36 प्रष्नों के उत्तर दर्ज हो जाएंगे। बालक जब 18 साल का होगा तो खुद ही उसका नाम चुनाव आयोग के पास चला जाएगा, नतीजतन उसका मतदाता पहचान पत्र बनने के साथ मतदाता सूची में भी नाम स्वमेव दर्ज हो जाएगा।

फिर जब किसी की मौत हो जाएगी तो ऑनलाइन जनगणना के डाटा से उस शख्स का नाम खुद ही डिलीट भी हो जाएगा। इस तरह से जनगणना का डाटा हमेशा खुद अद्यतन होता रहेगा। राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्ट्रर (एनपीआर) की प्रक्रिया पर करीब 12000 करोड़ रुपए खर्च होंगे। डिजिटल जनगणना की घोशणा 1 फरवरी 2021 को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने की थी। जनगणना-2021 में नागरिकों को गणना में षामिल होने की एक बेहतर और अनूठी ऑनलाइन सुविधा दी गई है। भारत सरकार के केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को ऑनलाइन स्व-गणना का अधिकार देने के लिए नियमों में परिवर्तन किए हैं।

जनगणना (संषोधन)-2022 के अनुसार परंपरागत तरीके से तो जनगणना घर-घर जाकर सरकारी कर्मचारी करेंगे ही, लेकिन अब नागरिक स्व-गणना के माध्यम से भी अनुसूची प्रारूप भर सकता है। इसके लिए पूर्व नियमों में 'इलेक्ट्रॉनिक फार्म' षब्द जोड़ा गया है, जो सूचना प्रौद्योगिकी कानून 2000 की धारा दो की उप धारा (एक) के खंड आर में दिया गया है। इसके अंतर्गत मीडिया, मैग्नेटिक, कंप्यूटर जनित माइक्रोचिप या इसी तरह के अन्य उपकरण में तैयार कर भेजी या संग्रहित की गई जानकारी को इलेक्ट्रॉनिक फार्म में दी गई जानकारी माना जाएगा। यानी एनरायड मोबाइल से भी अपनी गिनती दर्ज की जा सकेगी, जो कि आजकल घर-घर में उपलब्ध है। इस ऑनलाइन प्रविष्टि के अलावा घर-घर जाकर भी जनगणना की जाएगी।

इसमें कोई दो राय नहीं कि ऑनलाइन प्रयोग अद्विितीय है। लेकिन देश की जनता के स्थायी और निंरतर गतिशील पंजीकरण के दृष्टिगत अब जरूरी है कि ग्राम पंचायत शतर पर जनगणना की जवाबदेही सौंप दी जाए। गिनती के विकेर्द्रीकरण का यह नवाचार जहां 10 साला जनगणना की बोझिल परंपरा से मुक्त होगा, वहीं देश के पास प्रतिमाह प्रत्येक पंचायत शतर से जीवन और मृत्यु की गणना के सटीक व विश्वसनीय आंकड़े मिलते रहेंगे।

इस लेख में प्रस्तुत की जाने वाली जनगणना की यह तरकीब अपनाना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि तेज भागती यांत्रिक व कंप्यूटरीकृत जिदंगी में सामाजिक, आर्थिक व शैक्षिक बदलाव के लिए सर्वमान्य जनसंख्या के आकार व संरचना का दस साल तक इंतजार नहीं किया जा सकता? वैसे भी भारतीय समाज में जिस तेजी से लैगिंक, रोजगारमूलक और जीवन शतर मे परिवर्तन आ रहे हैं, उसकी बराबरी के प्रयासों के लिए भी जरूरी है कि हम जनगणना की परंपरा में आमूलचूल परिपर्तन लाएं? जनसंख्या के आकार, लिंग और उसकी आयु के अनुसार उसकी जटिल संरचना का कुछ ज्ञान न हो तो आमतौर पर अर्थव्यवस्था के विकास की कालांतर में प्रगति, आमदनी में

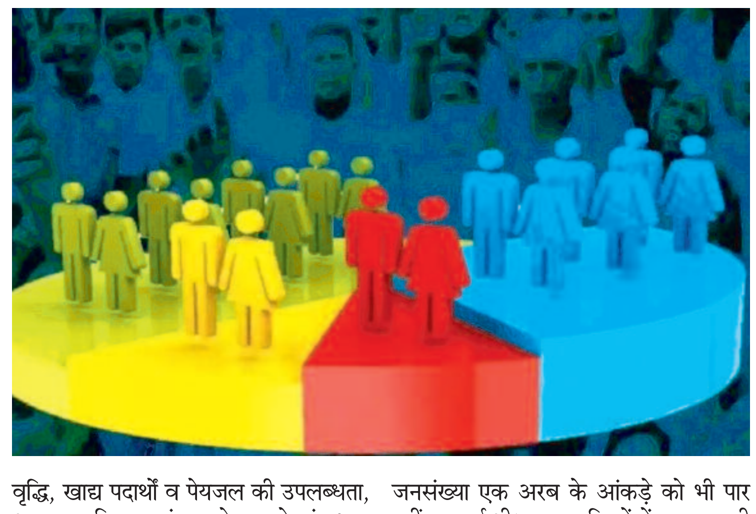

वृद्धि, खाद्य पदार्थों व पेयजल की उपलब्धता, आवास, परिवहन, संचार, रोजगार के संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य व सुरक्षा के पर्याप्त उपायों के इजाफे के पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है। जनसंख्या में वृद्धि के अनुपात में ही लोकसभा और विधानसभा सीटों को परिसीमन के जरिए बढ़ाया जाता है। 2028 में होने वाले लोकसभा चुनाव में महिलाओं के लिए भी 33 प्रतिषत सीटें आरक्षित रहेंगी।

जनगणना में निरंतरता इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि देश व दुनिया में जनसंख्या वृद्धि विस्फोटक बताई जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक दुनिया की जनसंख्या लगभग सात सौ करोड़ हो चुकी है। 2050 में यह आंकड़ा 10 करोड़ तक पहुंच सकता है। इस आबादी का पचास प्रतिशत से भी ज्यादा हिस्सा महज नौ देशों चीन, भारत, अमेरिका, पकिश्तान, बांग्लादेश, नाइजीरिया, कांगो, इथोपिया और तंजानिया में होगा। परिवार नियोजन के तमाम उपायों के बावजूद दुनिया में प्रति महिला सकल प्रजनन दर 2.5 शिशु है, 2050 में यह दर घटकर 2.1 प्रति महिला प्रति शिशु रह जाने की उम्मीद है। धरती पर जितनी तेजी से मानव समुदायों की आबादी उन्नसवीं सदी में बढ़ी है, उतनी तेजी से बढ़ोतरी पहले कभी दर्ज नहीं हुई। एक अनुमान के मुताबिक ईसवी सन एक में धरती पर कुल आबादी लगभग तीस करोड़ थी। अठारहवीं शताब्दी के अंत में दुनिया की जनसंख्या एक अरब के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाई थी। इन शताब्दियों में जन्म दर की मात्रा अधिक होने के बावजूद जनसंख्या व्द्धि दर बेहद मंदी थी।

प्रकृति पर निर्भर गर्भ निरोधकों से दूर और उपचार की आसान व सुलभ पद्धतियों से अनजान स्त्री-पुरूष बच्चे तो खूब पैदा करते थे, लेकिन उनमें से ज्यादातर मर जाया करते थे। बीमारियों की पहचान और उपचार से नियंत्रण के चलते बीसवीं शताब्दी के पहले ही तीन दशको में यह आबादी दोगुनी होकर करीब पौने दो अरब के आंकड़े को छू गई थी।

भारत की जनसंख्या 1901 में 23, 83, 96, 327 थी। आजादी के साल 1947 में यह आबादी 34.2 करोड़ हो गई थी। 1947 से 1981 के बीच भारतीय आबादी की दर में ढाई गुना वृद्धि दर्ज की गई और आबादी 68.4 करोड़ हो गई थी। जनसंख्या वृद्धि दर का आकलन करने वाले विशेषज्ञो का मानना है कि भारत में प्रति वर्ष एक करोड़ 60 लाख आबादी बड़ जाती हैं। इस दर के अनुसार हमें अपने देश की करीब एक अरब 40 करोड़ लोगों की एक निशचित जनसंख्या प्रारूप में गिनती करनी है, ताकि व्यक्तियों और संसाधनों के समतुल्य आर्थिक व रोजगारमूलक विकास का खाका खींचा जा सके। जनसंख्या का यह आंकड़ा अज्ञात भविष्य के विकास की कसौटी पर खरा उतरे उसका मूलाधार वैज्ञानिक तरीके से की गई सटीक जनगणना ही है।

हरेक दस साल में की जाने वाली जनता-जनार्दन की गिनती में करीब 34 लाख कर्मचारी जुटते हैं। डिजिटल डिवाइस से लैस 1.3 लाख जनगणना अधिकारी भी रहेंगे। छह लाख ग्रामों, पांच हजार कस्बों, सैकड़ों नगरों और दर्जनों महानगरों के रहवासियों के द्वार-द्वार दश्तक देकर जनगणना का कार्य करना कर्मचारियों के लिए जटिल होता है। यह काम तब और बोझिल हो जाता है जब किसी कर्मचारी-दल को उसके स्थनीय दैनंदिन कार्य से दूर कर उसे दूरांचल गांव में भेज दिया जाता हैं।

ऐसे हालात में गिनती की जल्दबाजी में वे मानव समूह छूट जाते हैं, जो आजीविका के लिए मूल निवास स्थल से पलायन कर जाते हैं। ऐसे लोगों में ज्यादातर अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजातियों के लोग होते हैं। बीते कुछ सालों में आधुनिक व आर्थिक विकास की अवधारणा के चलते इन्हीं जाति समूह के करीब चार करोड़ लोग विस्थापन के दायरे में हैं। इनसे रोशन गांव तो अब बेचिराग हैं, लेकिन इन विस्थापितों का जनगणना के समय स्थायी ठिकाना कहां है, जनगणना करने आए दल को यह पता लगाना मुशकिल होता है?

जनगणना की विधि का हो विकेंद्रीकरण

जनगणना की प्रक्रिया के वर्तमान स्वरूप को बदला जाकर एक ऐसे स्वरूप में तब्दील किया जाए, जिससे इसकी गिनती में निरंतरता बनी रहे। इसके लिए न भारी भरकम संस्थागत ढांचे की जरूरत है और न ही सरकारी अमले की। केवल गिनती की केन्द्रीयकृत जटिल पद्धति को विकेन्द्रीकृत करके सरल करना है।

गिनती की यह तरकीब ऊपर से शुरू न होकर नीचे से शुरू होगी। देश की सबसे छोटी राजनीतिक व प्रशासनिक इकाई ग्राम पंचायत है। जिसका त्रिशतरीय ढांचा विकास खण्ड व जिला शतर तक है।

हमें करना सिर्फ इतना है कि तीन प्रतियों में एक जनसंख्या पंजी पंचायत कार्यालय में रखनी है। इसी पंजी की प्रतिलिपि कंप्युटर में फीड जनसंख्या प्रारूप पर भी दर्ज हो। जिन ग्राम पंचायतों में इसे जनसंख्या संबंधी वेबसाइट से जोड़कर इन आंकड़ो का पंजीयन सीधे अखिल भारतीय शतर पर हो सकता है।

(26 जून) पर विशेष : चिंता का सबब बनता युवा सोच पर नशे का ग्रहण

योगेश कुमार गोयल

विश्व के अनेक देशों में लोगों में और खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए ही हर साल 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है।

जहां तक भारत की बात है, चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इश्तेमाल होने लगा है। वाश्तव में मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है।

रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमश्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वाश्तव में रेव पार्टियां धनाढ़्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं।

कोकीन हो या ऐसे ही अन्य मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं।

युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं।

कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं।

देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता।

यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के

सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वाश्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता।

इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं।

वर्ष 1993 में प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुश्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विश्तार से बताया है बताया है कि कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुश्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है।

देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है।

भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिश्तान, पाकिश्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं।

हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा राश्ता बन गया है। हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं और यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है।

आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्त्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा नशे के दुष्प्रभावों पर 1993 में पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिख चुके हैं)

देश की एकता व अखंडता के लिये ख़तरनाक है भाषाई विवाद

निर्मल रानी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा लिखित एक पुश्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय शतर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि 'इस देश में अंग्रेज़ी बोलने वालों को 'शर्म' आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है।''

उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफ़ी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेज़ी को रोज़गार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेज़ी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। जबकि कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमज़ोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नज़रों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्रेज़ी बोलते हैं।

कई प्रमुख मंत्री हैं तो ऐसे भी हैं जो अंग्रेज़ी में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए ही जाने जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण अंग्रेज़ी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से अर्थशास्त्र की डिग्री धारक है। वित्तीय नीतियों पर वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके अंग्रेज़ी बोलने के कौशल को दर्शाते हैं। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनयिक भी रहे हैं, अंग्रेज़ी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ़्रेंस और कूटनीतिक चर्चाओं में प्रायः अंग्रेज़ी का व्यापक उपयोग करते हैं।

इसी प्रकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अंग्रेज़ी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेज़ी उनकी क़ाबलियत में चार चाँद लगाती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेज़ी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं।

वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेज़ी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टैनफ़ोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेज़ी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेज़ी में पूरी तरह से पारंगत हैं। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेज़ी में संवाद करते हैं।

ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेज़ी बोलने वालों को शर्म आएगी, इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद ज़रूरी है। क्यों शर्म आयेगी अंग्रेज़ी बोलने वालों को? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर पर ही सही परन्तु अंग्रेज़ी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं?

कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइये, यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेज़ी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेज़ी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों, सांसदों व अधिकारियों व राज्य

शतरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। ज़ाहिर है 'राष्ट्रवादियों ' की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के लिये नहीं गयी हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेज़ी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेज़ी बोलने में शर्म आएगी?

इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं। परन्तु अदालत से लेकर संसद व दूतावासों तक व मेडिकल व विज्ञान शिक्षा में ख़ासकर प्रयुक्त होने वाली अंग्रेज़ी भाषा को 'शर्म ' वाली भाषा तो हरगिज़ नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री के अनुसार यदि शर्म ही आने की संभावना है तो कम से कम अपनी सरकारी योजनाओं का मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसा अंग्रेज़ी नाम तो न रखते?

इस सम्बन्ध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेज़ी सीखना आर्थिक रूप से उपयोगी है और इससे रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं। राहुल गांधी ने शाह के इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता पर हमला बताया। कांग्रेस ने तो इसे सांस्कृतिक आतंकवाद का हिस्सा बताया और कहा कि अंग्रेज़ी वैश्विक संदर्भ में भारत के युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके ने भी शाह के बयान को हिंदी थोपने की एक और कोशिश के रूप में देखा है। डीएमके ने तर्क दिया कि अंग्रेज़ी भारत की भाषाई विविधता को जोड़ने वाली कड़ी है और इसे कमज़ोर करना देश की एकता के लिए हानिकारक हो सकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने अन्नादुरै का हवाला देते हुए कहा कि हिंदी को जबरन थोपना स्वीकार्य नहीं है। इसी तरह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने शाह की टिप्पणी को उनकी 'संकीर्ण राजनीति' का परिचायक बताया और कहा कि अधिक भाषाएं सीखने से ज्ञान में वृद्धि होती है, न कि शर्मिंदगी।

भारत में लोग अपनी पसंद की भाषा बोलने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेज़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण सेतु है। यह न केवल रोज़गार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके विपरीत अंग्रेज़ी को हटाने या कम करने से भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित हो सकती है।

इसलिये कहा जा सकता है कि अमित शाह का बयान अदूरदर्शी होने के साथ साथ पूर्वाग्रह पूर्ण भी है जोकि भारत की भाषाई विविधता को नज़रअंदाज़ करता है। वैसे भी हमारे समाज में अंग्रेज़ी बोलने वालों को हमेशा इज़्ज़त की नज़र से देखा जाता है, इसलिये भी यह बयान सामाजिक समानता के विरुद्ध है।

रहा सवाल अंग्रेज़ी को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ने की मानसिकता को औपनिवेशिक सोच से जोड़ने का परिणाम बताना तो हमारा पहनावा, उपयोग की वश्तुयें, क्रॉकरी, मकानों की बनावट वैज्ञानिक सामग्रियों पर बढ़ती निर्भरता यह सब भी पश्चिमी प्रभाव का ही परिणाम है। हम किन किन चीज़ों को पश्चिमी कहकर ठुकराते रहेंगे? इस तरह के ग़ैरज़िम्मेदाराना बयानों से हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं का भला तो नहीं होगा बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण ज़रूर बढ़ सकता है।

ख़ासकर दक्षिणी राज्यों में इसे क्षेत्रीय अस्मिता पर हमले के रूप में भी देखा जा सकता है। इसलिये देश की एकता व अखंडता के लिये भाषाई विवाद खड़ा करना बेहद ख़तरनाक है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

ट्रांजिट हॉस्टल का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। महिला आयोग की अध्यक्ष व सदस्य ने दोपहर में पुलिस लाइन में बने नवनिर्मित ट्रांजिट हॉस्टल का निरीक्षण किया। पुलिस भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों से शौचालय, पानी, बिजली व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। आयोग अध्यक्ष एवं सदस्य प्रतिभा कुशवाहा ने विकास भवन सभागार में जनसुनवाई एवं संवाद कार्यक्रम के दौरान प्राप्त शिकायतों के संबंध में डीएम, एसपी व सीडीओ समेत अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। कहा कि महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाए। महिला उत्पीड़न की शिकायतों पर पुलिस अधिकारी मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करें। जहां पर महिलाओं की संख्या ज्यादा हो, वहां पर शिकायत पेटिका रखी जाएं। ईओ नपा एवं डीपीआरओ को शौचालयों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। वहीं चिलबिला के सुगतानंद बुद्ध बिहार में पहुंचकर पूजन अर्चन किया। संवाद

खाली किया गया पुराना अग्निशमन यंत्र

प्रतापगढ़। मेडिकल कॉलेज के राजा प्रताप बहादुर चिकित्सालय के अग्नि शमन यंत्र को खाली कराया गया। सीएमएस डॉ. शैलेंद्र कुशवाहा ने कहा कि इनका दुरुपयोग न हो इसे ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। खाली करते समय फायर एस्टिंग्यूशर की गैस व पाउडर उड़ा तो लोगों ने समझा कि ट्रांसफॉर्मर में आग लग गई। हालांकि जब कर्मचारियों को सीएमएस की निगरानी में फायर एस्टिंग्यूशर खाली करते देखा तो सबने राहत की सांस ली।

पीएचसी में चिकित्सकों की कमी, हर ओर दिखी गंदगी

प्रतापगढ़। यूपी राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने मंगलवार को लक्ष्मणपुर पीएचसी का निरीक्षण किया। इस दौरान अव्यवस्थाओं को देख उन्होंने नाराजगी जताई। मरीजों की देखभाल के लिए पर्याप्त चिकित्सक भी मौजूद नहीं थे। अधीक्षक डॉ. आलोक रंजन कोई जवाब नहीं दे सके। परिसर में गंदगी देख अध्यक्ष ने नाराजगी जताई। मरीजों ने पेयजल की किल्लत की शिकायत भी अध्यक्ष से की। दवा नहीं मिलने की शिकायत पर अध्यक्ष ने अधीक्षक को फटकार लगाई।

महिला आयोग की अध्यक्ष ने सीएमओ डॉ. एएन प्रसाद को चेतावनी देते हुए व्यवस्था सुधारने को कहा। सीएमओ ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे चिकित्सकों की ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है, जल्द की डॉक्टरों के साथ ही अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को तैनाती की जाएगी। आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि पीएचसी में शासन की मंशा के अनुसार सभी सुविधाएं मरीजों को हर हाल में मिलनी चाहिए। इससे पहले लक्ष्मणपुर विकास खंड सभागार में ब्लॉक प्रमुख प्रेमलता सिंह एवं भाजपा नेता डॉ. राकेश सिंह ने जनप्रतिनिधियों के साथ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान का स्वागत किया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा बहुओं से संवाद किया।

फुलवरिया के पास पेड़ से टकराई एंबुलेंस, चालक-ईएमटी घायल

प्रतापगढ़। कटरामेदनीगंज-प्रतापगढ़ राजमार्ग पर स्थित फुलवरिया गांव के पास आधी रात एक पेड़ से एंबुलेंस टकरा गई। हादसे में चालक और ईएमटी को गंभीर चोटें आईं। सूचना पर पहुंचे अन्य साथियों ने उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने प्रयागराज रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि दोनों को अब लखनऊ रेफर कर दिया गया है। लालगंज के खंडवा निवासी रामराज की 40 वर्षीय पत्नी किरन सोमवार रात बीमार हो गई। ब्लड प्रेशर बढ़ गया। परिजन लालगंज सीएचसी लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजनों ने एंबुलेंस की मांग की। मांग करने के दस मिनट के अंदर रायबरेली के सलवन निवासी चालक प्रशांत तिवारी और बहराइच निवासी 26 वर्षीय ईएमटी हैप्पी गुप्ता 108 एंबुलेंस लेकर अस्पताल पहुंचे। मरीज को लेकर मेडिकल कॉलेज के लिए चल पड़े। जैसे ही कोतवाली देहात के फुलवरिया गांव के पास पहुंचे कि चालक और ईएमटी को नींद आ गई। एंबुलेंस पेड़ से जाकर टकरा गई। हादसे में चालक और ईएमटी और एंबुलेंस में सवार महिला मरीज गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर अन्य एंबुलेंसकर्मी पहुंचे और घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्रयागराज रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि प्रयागराज से चालक और ईएमटी को लखनऊ रेफर कर दिया गया।

विरासत गलियारा : भवन के अलावा जमीन का भी मिलेगा मुआवजा, सीएम योगी के निर्देश पर मंथन शुरू

गोरखपुर, एजेंसी। विरासत गलियारा में सड़क चौड़ीकरण के दौरान जो मकान टूट रहे हैं और उनके मालिकों के पास जमीन का कागजात नहीं था, अब उन्हें भी कब्जे के आधार पर मुआवजा दिया जा सकता है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद राजस्व विभाग अब इसके लिए कानूनी उपाय खोज रहा है। इस पर चर्चा के लिए मंगलवार को अफसरों, भाजपा नेताओं, स्थानीय दुकानदारों और घर मालिकों के बीच बैठक भी हुई।

पांडेय हाता से घंटाघर, आर्यनगर होते हुए धर्मशाला ओवरब्रिज के पास तक सड़क को विरासत गलियारा के रूप में विकसित किया जा रहा है। चौड़ीकरण की जद में आ रहे मकान और दुकानों की रजिस्ट्री लोक निर्माण विभाग के पक्ष में हो रही है। जब रजिस्ट्री कराकर मुआवजा देने का नंबर आया, तब पता लगा कि कई पीढ़ियों से बसे कुछ लोगों के पास जमीन का मालिकाना हक ही नहीं है।

दरअसल, पहले यह जमीन जमींदार की थी, जिस पर व्यावहारिक रूप से लोग बस गए। बाद में पक्का मकान व दुकान बना लिया। न तो जमींदार ने अपनी जमीन खोजी

और न ही घर बनाने वालों को चिंता हुई। जब मकान-दुकान टूटने लगे तब इन लोगों ने अपने जमीन का रिकॉर्ड खोजना शुरू किया तो पैरों तले जमीन खिसक गई।

मकान का मुआवजा तो मिल रहा है, लेकिन जमीन उनके नाम नहीं होने की वजह से पेंच फंस गया। कुछ लोग कोर्ट गए तो वहां से नियमानुसार भुगतान का आदेश हो गया। इससे बात और उलझ गई। 21 जून की रात मुख्यमंत्री जब विरासत गलियारा का निरीक्षण करने गए तो वहां उन्होंने घोषणा की कि चौड़ीकरण से प्रभावित सभी लोगों को उचित मुआवजा मिलना चाहिए। इसके बाद प्रशासन ने फिर तैयारी शुरू की।

मंगलवार को पांडेयहाता और आर्य नगर के लोगों को मकान व दुकान के मुआवजे पर चर्चा के लिए गोरखपुर ग्रामीण विधायक विपिन सिंह, राजस्व विभाग के अफसर और व्यापारियों के बीच बैठक हुई। विधायक ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि चौड़ीकरण से प्रभावित हर मकान व उसकी जमीन का उचित मुआवजा दिया जाएगा।

नायब तहसीलदार प्रद्युम्न सिंह ने बताया कि प्रभावित लोगों के जमीन के रिकार्ड खोजे जाएंगे। राजस्व नियमों के तहत कैसे इन लोगों को क्षतिपूर्ति दी जा सकती है, इसका उपाय खोजा जा रहा है। किसी भी प्रभावित को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा।

बैठक में भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, व्यापारी नेता मदन अग्रहरि, प्रवीण मोदी, आशीष गुप्ता संदीप शर्मा, संदीप गुप्ता आदि मौजूद रहे।

शादी को हुआ डेढ़ माह, तीन माह की गर्भवती थी नई दुल्हन, सच सामने आया तो पति को दे डाली हत्या धमकी

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के सरधना थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने अपनी पत्नी से जान का खतरा जताया है। पीड़ित ने पत्नी, मायका पक्ष और बिचौलिए पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए एसएसपी से सुरक्षा व न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़ित का कहना है कि शादी के डेढ़ माह बाद उसे पता चला कि उसकी पत्नी तीन माह के गर्भ से है। इस बात को उजागर करने पर अब पत्नी उसे जान से मारने की धमकी दे रही है।

पीड़ित युवक ने बताया कि उसकी शादी 6 मार्च, 2025 को हापुड़ जिले के एक गांव निवासी युवती से हुई थी। पीड़ित के अनुसार, शादी की पहली रात ही पत्नी ने उसे दूध में नींद की गोली मिलाकर पिला दी। पूछने पर पत्नी ने स्वीकार किया कि वह किसी अन्य युवक से प्रेम करती है और उसी के कहने पर उसने नींद की गोली दी थी। पीड़ित ने मामले की जानकारी परिजनों को दी। परिजनों ने पत्नी के मायके पक्ष व बिचौलिए से बात की तो आरोपियों ने उसे जान से मारने व झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दे डाली। शादी के चार दिन बाद ही पत्नी अपने मायके में चली गई। शादी के एक सप्ताह बाद पत्नी की कॉल उसकी बहन के फोन पर आई। पत्नी ने पीड़ित की बहन को बताया कि वह गर्भवती है। इसके बाद वह पत्नी को ससुराल से अपने घर ले आया। पत्नी उसके व उसके परिजनों के साथ अक्सर झगड़ा करने लगी। शादी के दो महीने बाद पत्नी के पेट में दर्द होने पर उसे महिला चिकित्सक को दिखाया।

चिकित्सक ने उसे अल्ट्रासाउंड की सलाह दी। रिपोर्ट में उसकी पत्नी तीन माह की गर्भवती पाई गई। जबकि उस समय उसकी शादी को मात्र डेढ़ माह ही हुआ था। परिजनों ने उसकी पत्नी से पूछताछ की तो उसने स्पष्ट कहा कि यह बच्चा उसके प्रेमी का है।

आरोप है कि उसकी पत्नी अपने प्रेमी के साथ अक्सर फोन पर चैट करती रहती थी। उसके फोन पर उसके प्रेमी के साथ अश्लील वीडियो भी हैं। उसने पत्नी के मायके पक्ष के लोगों को जानकारी दी तो वह बिचौलिए के साथ उसके घर पहुंचे। 8 मई को उसके घर पर पंचायत हुई। इसके बाद पत्नी जेवरात व अपने कपड़े लेकर मायके चली गई। इस बीच पत्नी ने गर्भपात भी कराया।

बीते रविवार को पत्नी अपने मायके पक्ष के लोगों के साथ उसके घर पहुंची और परिजनों के साथ गाली गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। आरोपियों ने पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने व झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी।

आरोप है कि पत्नी अपने प्रेमी व मायके पक्ष के लोगों के साथ मिलकर उसकी हत्या की साजिश रच रही है। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने थाना पुलिस को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

घर से खेलने निकला था..., खेत में पेड़ के नीचे पड़ा मिला शव, 21 वर्ष के हर्ष की गोली मारकर हत्या

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के गंगानगर थाना क्षेत्र के अम्हेड़ा आदिपुर गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब बुधवार सुबह युवक हर्ष का शव गांव के जंगल में ईख के खेत में एक पेड़ के नीचे पड़ा मिला। युवक की दाएं तरफ सीने में गोली मारकर हत्या की गई थी।

मृतक की पहचान गांव निवासी हर्ष पुत्र संजय के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, हर्ष मजदूरी करता था। मंगलवार शाम वह काम से लौटकर कुछ देर घर पर रुका और फिर खेलनेकी बात कहकर घर से निकल गया था।

रात तक हर्ष के न लौटने पर परिजन चिंतित हो गए और तलाश शुरू कर दी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। रात करीब 1 बजे हर्ष ने अपने पिता के मोबाइल नंबर पर कॉल की, लेकिन घरवाले सो रहे थे और कॉल रिसीव नहीं हो सकी।

बुधवार सुबह गांव के लोगों को खेत में शव दिखाई दिया। मौके पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम, साथ ही सीओ सदर देहात शिव प्रताप सिंह भी पहुंचे और घटनास्थल की जांच की।

पुलिस के अनुसार, मौके से पानी की एक बोतल मिली है, जो किसी सुराग की कड़ी हो सकती है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

हर्ष को दाएं ओर कमर में पीछे की ओर से गोली मारी गई है। शव के नीचे फोरेंसिक टीम को तमंचा मिला,जिसमें खोखा फंसा हुआ था। मौके पर एसपी देहात राकेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

बेटे की मौत की खबर सुनते ही मृतक हर्ष की मां रेशा और पिता संजय का रो रोकर बुरा हाल हो गया। अभी तक की जांच पड़ताल में प्रेम संबंध में हत्या की बात सामने आ रही है। पुलिस हर पहलू पर जांच में जुटी है। एसपी ग्रामीण राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि आज थाना गंगानगर क्षेत्र के अम्हेड़ा गांव के हर्ष नामक युवक की खेत में गोली लगने से मौत की सूचना मिली थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिवार द्वारा दी गई तहरीर में दो लोगों को नामजद करते हुए आरोप लगाया गया है कि मृतक की मां रेशा की एक युवती के साथ मृतक का प्रेम संबंध था जिसके कारण ये हत्या हुई है। दोनों एक ही जाति के हैं। मामला दर्ज करके अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

पत्नी और मां में चल रही थी घरेलू कलह- तंग आकर युवक ने लगी ली फांसी, मौत

बस्ती, एजेंसी। महादेवरी गांव में पारिवारिक कलह से तंग आकर एक पच्चीस वर्षीय युवक ने बुधवार सुबह नौ बजे घर में छत पंखे में साड़ी फंदा बनाकर फांसी फंदे पर झूल गया। स्वजन ने आनन फानन में उपचार के लिए सीएचसी हर्रैया पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची हर्रैया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर लिया।

हर्रैया थाना क्षेत्र महादेवरी गांव निवासी विकास गौड़ पुत्र स्व. रामविनोद आयु 25 वर्ष ने पारिवारिक कलह से तंग आकर घर के छत में पंखे से साड़ी फंदे से फांसी पर लटक गया। स्वजन को इसकी भनक लगी तो दरवाजा तोड़कर स्वजन ने ग्रामीणों मदद से फंदे से शव को उतारकर तत्काल सीएचसी हर्रैया पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पहुंचे हर्रैया थाना प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए थाने ले आई। स्वजन से घटना बारे में पूछताछ किया। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक विकास की पत्नी खुशबू और उनकी मां आरती के मध्य आपसी पारिवारिक कलह चल रहा था।

मां गए घर पर रहती थी बेटा बहू पुराने घर पर गांव में रहती थी ,सास को मां ने आकर घर की लाइन भी काट दिया था,बुधवार को सुबह सास और बहू में झगड़ा था। जिससे विकास तंग आकर फांसी लगा लिया। दिवंगत की पत्नी खुशबू,बेटा शिवांश (5),बेटी शिवांगी (7) व मां का रो रोकर बुरा हाल हो गया है।

इस संबंध में हर्रैया थाना प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह ने बताया कि पारिवारिक कलह तंग आकर फांसी लगाने बात सामने आई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आईआईटी का सेंसर बताएगा हड्डी का कैंसर, स्मार्टफोन से भी होगी जांच; यूके में प्रकाशित हुआ शोध

वाराणसी, एजेंसी। आईआईटी बीएचयू ने एक प्रोटोटाइप सेंसर तैयार किया है, जो हड्डी के कैंसर को गंभीर होने से पहले ही सूचित कर देगा। एक ऐसी सेल्फ-रिपोर्टिंग डायग्नोस्टिक डिवाइस विकसित की गई है, जिससे हड्डी के कैंसर की शुरुआती पहचान होगी। अब इस प्रोटोटाइप को एक यूजर-फ्रेंडली डायग्नोस्टिक किट के तौर पर विकसित किया जा रहा है, ताकि इसे स्मार्टफोन से जोड़कर दूर-दराज इलाकों में स्वास्थ्य सेवा की शुरुआत की जा सके।

यह शोध प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका नैनो स्केल (रॉयल सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री, यूके) में प्रकाशित हो चुका है। साथ ही वैज्ञानिकों ने पेटेंट आवेदन फाइल कर दिया है। ये अध्ययन प्रो. प्रांजल चंद्रा, दफिका एस दखर

और सुप्रतिम महापात्रा ने किया है। सोने और रेडॉक्स-एक्टिव नैनो मैटेरियल के मिश्रण से एक उन्नत सेंसर सतह का विकास किया। ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी आसानी से उपयोग में लाया जा सकता है।

प्रिसिजन मेडिसिन की दिशा में बड़ा कदम- निदेशक प्रो. अमित पात्रा ने कहा कि यह शोध 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्ट-अप इंडिया' जैसी राष्ट्रीय पहलों के उद्देश्यों के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि यह शोध प्रिसिजन मेडिसिन की दिशा में एक सार्थक कदम है। यह नवाचार, कैंसर की समय रहते पहचान, व्यक्तिगत उपचार योजना और सतत निगरानी में अहम भूमिका निभा सकता है।

बच्चों-किशोरों में ये समस्या बड़ी है

मिनिएचर (सूक्ष्म) बायोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को किट भी कहा जा सकता है। ओपीएन नाम के एक बायोमार्कर का पता लगाया गया है, जो हड्डी के कैंसर के लिए जिम्मेदार होता है। इसे ऑस्टियोसारकोमा कहा जाता है जो कि पीड़ित बच्चों और किशोरों में काफी ज्यादा होता है। प्रो. चंद्रा ने कहा, मौजूदा जांच विधियों की मुश्किलों को कम कर बीमारी पहचानने के समय को घटाया जा सकता है। यह तकनीक कई जैविक मार्कर की पहचान के लिए एक प्लेटफॉर्म टेक्नोलॉजी बन सकती है।

केवल अवैध संबंध आत्महत्या के लिए उकसाने का पुख्ता सबूत नहीं, हाईकोर्ट की टिप्पणी

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, केवल अवैध संबंध होना किसी व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने का पुख्ता सबूत नहीं है। न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने महोबा के एक मामले में याची कमल भरभुजा को जमानत देते हुए यह टिप्पणी की।

भरभुजा पर एक महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप था, जिसके साथ उसके कथित तौर पर अवैध संबंध थे। महोबा जिले के कोतवाली नगर में कमल पर महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज है। ट्रायल कोर्ट ने उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। इसके खिलाफ आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की। अधिवक्ता ने दलील दी कि शुरुआत में कमल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया था।

हालांकि, जांच में यह बात सामने आई कि महिला ने वास्तव में आत्महत्या की थी। पुलिस जांच में भी यह पता चली कि कमल के महिला के साथ अवैध संबंध थे और वह शादी का दबाव डाल रही थी। इसी के आधार पर मामले को बाद में आत्महत्या के लिए उकसाने और एससी/एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत बदल दिया गया था।

आगे दलील दी कि उनके मुवक्किल के खिलाफ उकसाने के आरोप निराधार हैं। उन्होंने जोर दिया कि अवैध संबंधों की बात मान भी ली जाए तो यह साबित नहीं होता कि महिला ने उनके मुवक्किल के उकसाने पर ही आत्महत्या की। वकील ने यह भी बताया कि कमल का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। वह एक जनवरी 2025 से जेल में बंद है।

कोर्ट ने कहा कि सिर्फ अवैध संबंध यह साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है कि अपीलकर्ता ने महिला को आत्महत्या के लिए उकसाया था। इन तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के 24 जनवरी 2025 के आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही कमल भरभुजा को तत्काल सशर्त जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया।

अंतरिक्ष के लिए उड़ान भर शुभांशु ने रचा इतिहास, भावुक माता-पिता बोले- उन पर नाज है

लखनऊ , एजेंसी। वायुसेना के ग्रुप कैप्टन व भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के माता-पिता अपने बेटे की उपलब्धि पर भावुक हो गए। वो कानपुर रोड स्थित सीएमएस के एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। शुभांशु 41 वर्ष पहले लगातार आठ दिन पृथ्वी के चक्कर लगाने वाले राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में रवाना होने वाले दूसरे भारतीय बने।

एक्सिओम-4 मिशन ने अंतरिक्ष के लिए उड़ान भर दी है। लॉन्चिंग के दौरान शुभांशु के माता-पिता की आंखों में आंसू थे। उन्होंने कहा कि पूरे देश को उन पर नाज है। इस मौके पर एसआईए इंडिया के अध्यक्ष डॉ. सुब्बा राव पावुलुरी ने कहा, हमारे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जा रहे हैं। यह भारत के लिए एक महान दिन है।

एक्सिओम मिशन का हिस्सा बने भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के बारे में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा जाएगा। मैं उन्हें और उनके पूरे परिवार को बधाई देता हूं।

माता-पिता बोले- बहू ने निभाई बड़ी भूमिका- ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने कहा कि यह हमारे और सभी के लिए गर्व का क्षण है। जगह-जगह पोस्टर लगाए जा रहे हैं। सभी को खुशी है कि इस देश का, इस त्रिवेणी नगर का एक लड़का इतनी ऊंचाई पर पहुंचने जा रहा है। हम उसे अपनी शुभकामनाएं और आशीर्वाद भेज रहे हैं। उसे हमारी बहू का पूरा समर्थन है। उसके बिना यह संभव नहीं हो सकता था। उसने यहां सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के पिता शंभू दयाल शुक्ला ने कहा कि हम उसके मिशन के लिए बहुत उत्सुक हैं। हम बहुत खुश हैं। हमारा आशीर्वाद उसके साथ है और हम भगवान से भी प्रार्थना करते हैं कि उसका मिशन अच्छे से पूरा हो। उसके लिए लगाए गए सभी पोस्टर देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। वह लखनऊ, राज्य और हमारे देश का नाम रोशन कर रहा है। हमें उस पर गर्व है।

सीएमओ को मिले 11 नए डॉक्टर, सीएचसी-पीएचसी में होगी तैनाती

प्रतापगढ़। सीएमओ को 11 नए डॉक्टर मिल गए हैं। इनकी तैनाती सीएचसी-पीएचसी पर की जाएगी। इसके लिए कम चिकित्सकों वाले अस्पतालों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सीएमओ डॉ. एएन प्रसाद ने बताया कि 11 नए डॉक्टर मिले हैं। इनकी तैनाती उन सीएचसी और पीएचसी पर की जाएगी, जहां डॉक्टरों की कमी है। जिससे मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवा मिल सके। इलाज के लिए मरीजों को भटकना न पड़े। सीएमओ ने कहा कि उन सीएचसी को प्राथमिकता दी जाएगी जो वर्षों पुरानी हैं। महज एक चिकित्सक की तैनाती हुई है, इसके अलावा उन पीएचसी पर भी चिकित्सकों को भेजा जाएगा, जहां आयुष के भरोसे अस्पताल का संचालन हो रहा है।

शुभमन गिल की टीम इंडिया जहां गई हार, वहीं किया जीत का दीदार

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की टीम इंडिया को इंग्लैंड में जहां हार का सामना करना पड़ा. वहीं वैभव सूर्यवंशी की टीम का सूरज जीत के साथ चमका है. ये दोनों ही घटनाएं एक ही दिन घटी हैं. 24 जून को ही शुभमन गिल को टेस्ट सीरीज के पहले मैच में हार मिली और उसी दिन वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड में जीत का दीदार किया. अब इंग्लैंड ने शुभमन गिल की टीम इंडिया को 5 विकेट से हराया कैसे, इस पर तो काफी कुछ लिखा जा चुका है. लेकिन वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे, हरवंश सिंह जैसे उभरते खिलाड़ियों से सजी भारत की अंडर 19 टीम ने जीत का बिगुल कैसे फूंका, आइए जानते है. इंग्लैंड में भारत की अंडर 19 टीम की जीत की डफली 24 जून को एक प्रैक्टिस मैच में बजी. 50 ओवर के इस मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड लायंस को उतने रन से हराया, जितने उसने बनाए भी नहीं. वैभव सूर्यवंशी, हरवंश सिंह, राहुल कुमार, आयुष म्हात्रे जैसे बल्लेबाजों से भरी भारत की अंडर 19 टीम ने मैच में कुल 25 छक्के और 37 चौके लगाए. इन 62 बाउंड्रीज के दम पर भारत की अंडर 19 टीम ने 50 ओवर में 444 रन का विशाल स्कोर बनाया, जिसका पीछा करते हुए इंग्लैंड लायंस केवल 211 रन ही बना सकी. मतलब वो 231 रन से प्रैक्टिस मैच हार गए.

वैभव सूर्यवंशी मे मारे कितने रन?

अब सवाल है कि 25 छक्के उड़ाने वाली भारत की अंडर 19 टीम की तरफ से किसने कितने रन बनाए? वैभव सूर्यवंशी ने कितने रन मारे? इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 24 जून को खेले प्रैक्टिस मैच में आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी की ओपनिंग जोड़ी ज्यादा जमी नहीं. सिर्फ 9 रन पर ये पार्टनरशिप टूट गई. कप्तान आयुष म्हात्रे ने 1 रन बनाए. आयुष के जाने के बाद वैभव सूर्यवंशी

भी ज्यादा देर रूके नहीं. मगर जब तक वो क्रीज पर रहे, अपनी मौजूदगी का एहसास खूब कराया. उन्होंने सिर्फ 13 गेंदों का सामना किया मगर उसमें भी एक छक्का और 2 चौके उनके बल्ले से देखने को मिले. उन्होंने 130 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 17 रन बनाए.

हरवंश सिंह ने ठोका शतक, इन बल्लेबाजों ने खेली ताबड़तोड़ पारी

अब सवाल है कि ना आयुष चले ना वैभव सूर्यवंशी तो फिर भारत की अंडर 19 टीम ने कैसे 444 रन का स्कोर खड़ा कर दिया?

तो इसका जवाब हैं हरवंशन सिंह, जिन्होंने 9वें नंबर पर उतरकर 9 छक्कों के साथ नाबाद 103 रन जड़े. हरवंश के अलावा राहुल कुमार ने 5 छक्के और 4 चौके के साथ 63 गेंदों पर 75 रन बनाए. कनिष्क चौहान ने 5 छक्के, 5 चौके के साथ 64 गेंदों में 79 रन ठोके तो वहीं आरएस अमबरीश ने 4 छक्के और 6 चौके के साथ 47 गेंदों में ही 72 रन ठोक दिए. इन 4 बल्लेबाजों के आतिशी खेल का ही नतीजा रहा कि मैच में भारत की अंडर 19 टीम की तरफ से 25 छक्के तो देखने को मिले ही, उसके अलावा 444 रन भी बनते दिखे.

27 जून से सीरीज का आगाज

भारत और इंग्लैंड की अंडर 19 टीम के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 27 जून से शुरू हो रही है. उससे पहले भारतीय बल्लेबाजों ने रनों की बारिश कर अपनी तैयारियों का ट्रेलर दिखा दिया है. वैभव सूर्यवंशी भले ही ज्यादा योगदान नहीं दे सके मगर वो ऐसे बल्लेबाज हैं जो कभी भी गियर बदल सकते हैं.

डब्ल्यूटीसी पॉईट टेबल:

इंग्लैंड बना नंबर 1

हार के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंकतालिका में भारत चौथे नंबर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 साइकल में भारतीय क्रिकेट टीम टेस्ट सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ खेल रही है। इस 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले ही मैच में भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के हाथों 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा और भारतीय टीम की शुरुआत शुभमन गिल की कप्तानी में खराब हुई।

बेन स्टोक्स की कप्तानी में मेजबान इंग्लैंड ने भारत को 5 विकेट से हरा दिया और वर्ल्ट टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की अंकतालिका में टॉप पर पहुंच गई। वहीं भारतीय टीम फिलहाल इस अंकतालिका में चौथे नंबर पर है। भारतीय टीम को अपने पहले ही मैच में हार मिली और वो एक भी अंक अर्जित नहीं कर पाई। लीड्स टेस्ट मैच में भारत ने इंग्लैंड को चौथी पारी में जीत के लिए 371 रन का मुश्किल टारगेट दिया था, लेकिन भारतीय गेंदबाजी काफी खराब रही और इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने मैच के आखिरी दिन जीत के लिए बचे 350 रन के लक्ष्य को आराम से हासिल कर लिया। इंग्लिश टीम ने 5 विकेट पर 373 रन बनाते हुए मैच जीत लिया और भारत को निराश होना पड़ा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की अंकतालिका की बात करें तो इसमें भारत के खिलाफ जीत के बाद इंग्लैंड पहले स्थान पर है जिसने अपने पहले मैच को जीतकर 12 अंक हासिल किए और इस टीम की जीत का प्रतिशत 100.00 है तो वहीं इसमें दूसरे नंबर पर बांग्लादेश तो तीसरे नंबर पर श्रीलंका है।

बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच खेला गया मैच ड्रॉ रहा था और दोनों टीमों के 4-4 अंक हैं जबकि जीत का प्रतिशत 33.33-33.33 है।

नीरज चोपड़ा ने 4 दिन के अंदर दूसरा टूर्नामेंट जीता

➢ गोल्डन स्पाइक मीट में नंबर-1 रहे, 85.29मी. भाला फेंका; पेरिस डायमंड लीग जीती थी

नई दिल्ली, एजेंसी। नीरज चोपड़ा का पहला थ्रो अमान्य रहा। उन्होंने तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर भाला फेंका। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को गोल्डन स्पाइक मीट में पहला स्थान हासिल किया है। वे लगातार दूसरे टूर्नामेंट में नंबर-1 पर रहे हैं। नीरज ने 4 दिन पहले 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में पहला स्थान हासिल किया था। नीरज ने मंगलवार रात को चेक रिपब्लिक (ओस्त्रावा) में आयोजित इस टूर्नामेंट में 85.29 मीटर भाला फेंका और पहले स्थान पर रहे। द. अफ्रीका के डोव स्मित (84.12 मीटर) पर्सनल बेस्ट के साथ दूसरे और ग्रेनाडा के एंडरसन पेटर्स (86.63 मीटर) तीसरे नंबर पर रहे।

नीरज इस समय वर्ल्ड एथलेटिक्स के कॉन्टीनेंटल टूर पर हैं। इस टूर्नामेंट में 9 प्लेयर्स ने हिस्सा लिया। उन्होंने को पेरिस डायमंड लीग भी जीती थी। तीसरे प्रयास में आया नीरज का बेस्ट थ्रो प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा का बेस्ट थ्रो तीसरे प्रयास में आया। उन्होंने फाउल से शुरुआत की। फिर 83.45 मीटर स्कोर किया। नीरज 85.29 मीटर के थ्रो के साथ वे टॉप पर आ गए। उन्होंने अगले 2 थ्रो में क्रमशः 82.17 मीटर और 81.01 मीटर स्कोर किया। आखिरी थ्रो फाउल रहा।

रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज की शादी टली

अब 18 नवंबर को काशी में नहीं होगा दोनों का विवाह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज की शादी, जो 19 नवंबर को होने वाली थी, अब कथित तौर पर स्थगित कर दी गई है। इस महीने की शुरुआत में उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक भव्य समारोह में दोनों ने सगाई की थी। सगाई समारोह में कई बड़े चेहरे शामिल हुए थे। कुछ उल्लेखनीय मेहमानों में सपा अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, अभिनेत्री जया बच्चन और भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भी शामिल थे।

अब फरवरी 2026 में होगी रिंकू और प्रिया की शादी

सगाई के बाद रिंकू सिंह और प्रिया सरोज ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर समारोह की कई तस्वीरें भी शेयर की थीं। रिपोर्ट के अनुसार, रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी नवंबर में होने वाली उनकी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं के कारण स्थगित कर दी गई है। अखबार ने जोड़े के परिवार के सदस्यों को स्रोत के हवाले से लिखा कि शादी अब फरवरी 2026 में होगी और सही तारीख जल्द ही बताई जाएगी।

19 नवंबर के लिए बुक था वाराणसी का ताज होटल

रिपोर्ट में कहा गया है, 'परिवार ने 19 नवंबर 2025 को रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी के लिए वाराणसी के ताज होटल को बुक किया था। हालांकि, भारतीय क्रिकेट टीम के लिए रिंकू सिंह की प्रतिबद्धताओं ने उन्हें शादी को स्थगित करने के लिए मजबूर किया।' आगे कहा गया है, 'होटल अब फरवरी के अंत के लिए बुक किया गया है, लेकिन सही तारीख की अब तक पुष्टि नहीं हुई है।'

8 जून 2025 को हुई थी रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की सगाई

इससे पहले 8 जून 2025 को रिंकू सिंह और प्रिया सरोज ने लखनऊ में एक भव्य समारोह में सगाई की थी। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया, 'यह दिन हमारे दिलों में बहुत लंबे समय से था, लगभग तीन साल और हर पल इंतजार के लायक था। सगाई- पूरे दिल से और हमेशा के लिए।'

तिलक वर्मा ने काउंटी चैम्पियनशिप के डेब्यू पर जड़ा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड पर पहले टेस्ट का अंतिम दिन जहां भारतीय गेंदबाजों को विकेट मिलने में मुश्किल हो रही है। वहीं दूसरी तरफ तिलक वर्मा ने यूके में हैम्पशायर के लिए खेलते हुए काउंटी चैम्पियनशिप में डेब्यू पर शतक लगा दिया है। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 98 के स्कोर से आगे खेलते हुए चेम्सफोर्ड में एसेक्स के खिलाफ शतक लगाया। वर्मा ने तीसरे दिन कुछ ही समय में अपना पहला काउंटी शतक बनाया,

लेकिन शुरुआत को आगे नहीं बढ़ा सके। उन्होंने 241 गेंदों पर 100 रन बनाए। लेकिन वह साइमन हार्मर द्वारा आउट हो गए। वर्मा ने अपनी पारी के दौरान 11 चौके और तीन छक्के लगाए। वर्मा 2019 में अजिंक्य रहाणे के बाद हैम्पशायर के लिए शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। वर्मा ने दूसरे दिन के बाद कहा, मैं रहाणे से कह सकता हूं कि मैंने भी यहां शतक बनाया है।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले 22 वर्षीय रोमांचक खिलाड़ी सबसे बेहतरीन टी20 बल्लेबाजों में से एक हैं। नई द्रुष्टष्ट रैंकिंग में वह दुनिया में नंबर 3 रैंक वाले टी20 बल्लेबाज है। वर्मा ने कहा, मैं हमेशा कहता हूं, टेस्ट क्रिकेट मेरा पसंदीदा है। टी20 में नंबर 3 बल्लेबाज होने के कारण हर कोई सोचता है कि मैं एक अच्छा टी20 बल्लेबाज हूं, लेकिन लंबे समय से मैं कहता आ रहा हूं कि मैं एक अच्छा टेस्ट खिलाड़ी हूं।

मुझे टेस्ट खेलना पसंद है, शरीर के करीब खेलना। आईपीएल के बाद हमारे पास 1-1.5 महीने का ब्रेक है। भारत और भारत ए यहां हैं, इसलिए मेरे लिए घर पर बैठकर कुछ नहीं करना था। इसलिए यह सही मौका था और पिछले तीन साल से मैं इसका इंतजार कर रहा था। मैंने कुछ टीमों से पूछा और मुझे हैम्पशायर से मौका मिला।

इंडिया-इंग्लैंड दूसरा टेस्ट:

टेस्ट नहीं खेलेंगे जसप्रीत बुमराह?

गौतम गंभीर ने प्लान को लेकर दे दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट हार गई, फील्डिंग के आलावा भारत की गेंदबाजी भी खराब रही. जसप्रीत बुमराह को छोड़ दें तो पहली पारी में कोई अन्य गेंदबाज इंग्लिश बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना पाया. दूसरी पारी में तो बुमराह भी कोई विकेट नहीं ले पाए. हालांकि अब टीम इंडिया की नजरें दूसरे टेस्ट पर है, लेकिन उससे पहले हेड कोच गौतम गंभीर ने बुमराह को लेकर बड़ा अपडेट दिया है. पहले टेस्ट की हार के बाद प्रेस के सवालों का जवाब देने खुद हेड कोच गौतम गंभीर आए, जिनकी कोचिंग में भारतीय टेस्ट टीम अच्छा नहीं कर पा रही है. इस दौरे पर सबसे मुख्य गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं, लेकिन वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते वह सिर्फ 3 ही टेस्ट खेलेंगे. प्रेस कांफ्रेंस में गौतम गंभीर ने भी कन्फर्म किया कि प्लान में कोई बदलाव नहीं हुआ है और पहले टेस्ट में हार के बावजूद बुमराह अब बचे हुए मैचों में से सिर्फ 2 में ही खेलेंगे.

गौतम गंभीर ने जसप्रीत बुमराह को लेकर क्या अपडेट दिया: गंभीर ने कहा मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह का वर्कलोड मैनेज करना हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि आगे बहुत सारा क्रिकेट होना है और हम जानते हैं कि वह कितने जरुरी हैं. इसलिए इस दौरे पर आने से पहले ही यह तय हो गया था कि वह तीन टेस्ट खेलेंगे, लेकिन देखते हैं कि उसका शरीर कैसा रहता है. लेकिन हमने यह तय नहीं किया है कि वह कौन से दो अन्य टेस्ट मैच खेलेंगे. बेशक गौतम गंभीर ने साफ़ किया कि अभी ये तय नहीं है कि बुमराह कौन से 2 और टेस्ट खेलेंगे लेकिन खबर है कि वह दूसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे. भारत बनाम इंग्लैंड दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से एजबेस्टन, बर्मिंघम में खेला जाएगा. गंभीर को लेकर खबर है कि वह दूसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे, वह तीसरे और फिर उसके बाद सीरीज के आखिरी टेस्ट में खेलेंगे.

नेमार ने सैंटोस के साथ कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर 2025 तक बढ़ाया

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। नेमार ने सैंटोस के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर तक बढ़ा दिया है। इसका ऐलान ब्राजील के सीरी ए क्लब ने किया है। 33 वर्षीय पूर्व बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन फॉरवर्ड सऊदी प्रो लीग की टीम अल-हिलाल से अलग होने के बाद जनवरी में छह महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर अपने बचपन के क्लब में लौट आया है। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष गोल स्कोरर का नाम मेजर लीग सॉकर में जाने या यूरोप में वापसी की अटकलों से जुड़ा हुआ था, लेकिन उन्होंने अब 2025 सीजन के अंत तक सैंटोस क्लब में बने रहने पर सहमति जताई है।

नेमार ने क्लब की वेबसाइट पर एक बयान में कहा, मैंने एक फैसला लिया और अपने दिल की बात सुनी। सैंटोस सिर्फ मेरी

टीम नहीं है। यह मेरा घर, मेरी जड़ें, मेरा इतिहास और मेरा जीवन है। उन्होंने आगे कहा, यहां मैं एक लड़का था, जो एक आदमी बन गया। मुझे सच में बहुत प्यार मिलता है। यहां मैं वास्तव में खुश हूं।

यहीं पर मैं अपने करियर में अधूरे सपनों को पूरा करना चाहता हूं। मुझे कोई नहीं रोक सकता। मैं जाता हूं, वापस आता हूं और यहीं रहता हूं। जहां से यह सब शुरू हुआ और जहां यह कभी खत्म नहीं होगा। नेमार ने 2009 में सैंटोस के लिए अपना प्रोफेशन डेब्यू किया और क्लब के लिए 243 मैच खेले। इस दौरान 141 गोल किए और 69 असिस्ट दिए। चोटों के कारण वह इस साल आठ बार के ब्राजीलियाई सीरी-ए चैंपियन के लिए सिर्फ 12 मैच ही खेल पाए हैं।

सैंटोस के अध्यक्ष मार्सेलो टेक्सेरा ने कहा, यह ब्राजीलियन फुटबॉल के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। सैंटोस एफसी के फैंस के लिए एक तोहफा है। हमारा आइडल, हमारा लड़का, हमारी नंबर 10 शर्ट वाला राजकुमार हमेशा बना रहेगा। यह पुनर्निर्माण प्रक्रिया में एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण है।

एमएलसी 2025:

दादा भारत के लिए खेले पोते ने अमेरिकी लीग में दिलाई टीम को जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्सास सुपर किंग्स ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के 15वें मैच में जीत दर्ज की। इस टीम ने लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स को 52 रन से हराया। टीम की जीत में शुभम रांझणे का अहम योगदान रहा, जिन्होंने ताबड़तोड़ 70 रन की पारी खेली।

शुभम का जन्म 26 मार्च 1994 को महाराष्ट्र में हुआ। क्रिकेट उनके खून में है। इस ऑलराउंडर के पिता सुभाष महाराष्ट्र के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व भी किया है। वहीं, दादा वसंत रांझणे भी एक ऑलराउंडर रहे, जिन्होंने भारत के लिए सात टेस्ट खेले। शुभम रांझणे को आईपीएल-2019 में राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था, लेकिन उन्हें कोई मैच खेलने का

मौका नहीं मिल सका। साल 2016 में मुंबई के लिए अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू करने वाले शुभम 15 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके हैं। यह सीजन में टेक्सास सुपर किंग्स की चौथी जीत रही। शुरुआती तीन मैच जीतने के बाद इस टीम को लगातार दो हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, दूसरी ओर लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स सीजन का अपना चौथा मैच गंवा बैठी है। इस टीम ने हार की हैट्रिक लगाने के बाद एक जीत दर्ज की, लेकिन इस लय को बरकरार नहीं रख सकी। डलास में खेले गए मुकाबले की बात करें, तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टेक्सास की टीम ने आठ विकेट गंवाकर 196 रन बनाए। टीम 33 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी, जिसके बाद शुभम रांझणे ने समित पेटल के साथ टीम को संभालने की कोशिश की। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी हुई। समित 33 गेंदों में 38 रन बनाकर आउट हुए।

यहां से शुभम रांझणे ने डोनोवन फेरीरा के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 82 रन जोड़े और टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। शुभम रांझणे ने 45 गेंदों में चार छक्कों और छह चौकों की मदद से 70 रन बनाए, जबकि फेरीरा ने 21 गेंदों में 43 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की ओर से वैन शाल्कविक और आंद्रे रसेल ने तीन-तीन विकेट चटकाए। इसके जवाब में लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स निर्धारित ओवरों में सात विकेट गंवाकर सिर्फ 144 रन ही बना सकी। टीम के लिए उन्मुक्त चंद ने सर्वाधिक 30 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान जेसन होल्डर ने नाबाद 26 रन बनाए। विपक्षी टीम के लिए अकील हुसैन और नूर अहमद ने दो-दो शिकार किए।